राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 26 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-235 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गृहमंत्री शाह से मिले यूपी के डिप्टी सीएम, आगामी चुनाव को लेकर की चर्चा

-डबल इंजन सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव, संगठन की तैयारियों और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के बाद केशव मौर्य ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के संकल्प को लेकर अमित शाह के साथ विस्तृत रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता प्रदेशभर में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर डबल इंजन सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से आम लोगों तथा गरीब परिवारों को मिले लाभ की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाई जाएगी। इसके साथ ही विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को लेकर भी लोगों के बीच सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का संदेश पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों के साथ संगठन को भी और ज्यादा सक्रिय किया जाएगा। कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने और सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा।
उन्होंने विपक्ष के लंबे शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 सालों में ऐसे कई कार्य हुए हैं, जो विपक्ष अपने लंबे शासनकाल में नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है और देश के विकास और विश्व पटल पर भारत की भूमिका मजबूत करने के लिए पीएम मोदी का नेतृत्व जरुरी है।
उन्होंने अमित शाह के मार्गदर्शन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का सांगठनिक अनुभव और मार्गदर्शन संगठन तथा सरकार को नई दिशा देने में अहम है। उन्होंने कहा कि शाह के सुझावों से आगे की रणनीति तय करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन और सरकार के बीच समन्वय के साथ जनसंपर्क अभियान को और मजबूत किया जाएगा और केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर जनता तक पहुंचाया जाएगा।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तोड़ी चुप्पी, विस चुनाव से पहले ऐलान, न कांग्रेस में लौटूंगा, न सीएम की दौड़ में हूं

चंडीगढ (एजेंसी)।पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना से साफ इन्कार किया है। वहीं उन्होंने ये भी साफ किया कि भाजपा में रहकर उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर मानते हैं। कैप्टन अमरिंदर का यह बयान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह 2021 में नवजोत सिद्धू से विवादों के चलते कांग्रेस से अलग हो गए थे। उनके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस छोडऩे के बाद उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बनाई थी। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी कांग्रेस में जाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भाजपा में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिली है। अमरिंदर सिंह ने खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताया है। उन्होंने कांग्रेस में वापसी की अटकलों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर सकता है।

पंजाब में पराली जलाने की 27 घटनाएं, 10 की पुष्टि; 35 हजार का जुर्माना

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण की कवायद के बीच पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) ने अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) जारी की है। 24 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार पूरे राज्य में कुल 27 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें से 10 खेतों में मौके पर निरीक्षण के बाद इसकी पुष्टि भी हुई है। ये आंकड़े इसरो के मानक प्रोटोकॉल के तहत सैटेलाइट निगरानी पर आधारित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीपीसीबी ने कुल 21 खेतों का निरीक्षण किया और 10 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई। इन मामलों में कुल 7 जगह पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया, जिससे 35,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। हालांकि, इसमें से अब तक केवल 10,000 रुपए ही वसूले जा सके हैं। जिलेवार आंकड़ों में अमृतसर में सर्वाधिक 13 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें से 4 की पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का जुर्माना लगाकर वसूल भी लिया गया। फिरोजपुर में 4 मामलों में से 3 की पुष्टि हुई, जहां 15,000 रुपए का जुर्माना लगा, जिसमें से 5,000 रुपए वसूले गए। यहां तीन फार्म रिकॉर्ड में रेड एंट्री और चार वार्निंग नोटिस भी जारी किए गए। पटियाला में एक मामला सामने आया जिसकी पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले में वसूली गई राशि शून्य है और न ही कोई एफआईआर दर्ज हुई है या अधिकारियों पर कोई कार्रवाई की गई है। तरनतारन में 5 में से 1, होशियारपुर में दर्ज एकमात्र मामले में पुष्टि हुई। गुरदासपुर, शहीद भगत सिंह नगर में भी मामले दर्ज हुए हैं। जबकि बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट सहित कई जिलों में इस अवधि में पराली जलाने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

कतर्नियाघाट में तेंदुए ने ली महिला की जान ; ग्रामीणों में दहशत

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में तेंदुए के हमले में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। यह हृदयविदारक घटना उस समय हुई जब महिला अपने घर के पीछे बाड़ी में सब्जी तोड़ने गई थी, तभी घात लगाए तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। इस दुखद घटना के बाद इलाके के ग्रामीणों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला अपने घर के पीछे सब्जी तोड़ रही थी, उसी दौरान तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया, जिससे उसकी जान चली गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वन विभाग क्षेत्र में ऐसी अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए पिछले दो-तीन दिनों से गांव-गांव में जन-जागरूकता गोष्ठियां आयोजित कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा था। साथ ही, वन्यजीवों की निगरानी और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए प्रभावित क्षेत्र में प्रशिक्षित हाथियों के जरिए लगातार तीन दिनों से गश्त भी कराई जा रही थी। डीएफओ ने बताया कि घटना के बाद वन विभाग की टीमों को और अधिक सतर्क कर दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगल या झाड़ियों वाले इलाकों के आसपास अकेले न जाएं और सावधानी बरतें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

काशी में एयर शो से पहले घाटों पर सफाई युद्धस्तर पर

वाराणसी (एजेंसी)। गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी के निशान से नीचे आने के बाद अब काशी के घाटों को साफ-सुथरा बनाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। आगामी 22, 23 और 25 अक्टूबर को नमो घाट पर प्रस्तावित भव्य एयर शो के मद्देनजर वाराणसी नगर निगम ने कमर कस ली है। बाढ़ का पानी उतरने से पक्के घाटों की सीढ़ियों और तटवर्ती इलाकों में भारी मात्रा में सिल्ट व कीचड़ जमा हो गई थी। इसे हटाने के लिए निगम के स्वच्छता अमले ने नमो घाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर विशेष अभियान छेड़ दिया है। पानी की बौछार से सीढ़ियों को धोने और गाद हटाने का काम तेजी से चल रहा है। अतिरिक्त सफाई कर्मियों और जेटिंग मशीनों की मदद से घाटों को पूरी तरह स्वच्छ, सुगम और सुरक्षित बनाया जा रहा है, ताकि एयर शो देखने आने वाले शहरवासियों और पर्यटकों को कोई असुविधा न हो।

मध्य प्रदेश में मिले 70 फर्जी पासपोर्ट, एसटीएफ ने 6 संदिग्धों को किया गिरफ्तार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश एसटीएफ ने संगठित फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच में करीब 70 फर्जी पासपोर्ट का पता लगाया है। ये पासपोर्ट राज्य में अलग-अलग पतों का इस्तेमाल करके बनवाए गए थे। अब जांच में बड़े नेटवर्क और अधिकारियों की मिलीभगत की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसटीएफ के डीआईजी ने शुक्रवार को बताया कि अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और फर्जी पासपोर्ट बनाने और हासिल करने के पीछे पूरे नेटवर्क का पता लगाने की जांच जारी है। डीआईजी ने कहा कि यह एक बहुस्तरीय मामला है और जांच अभी भी चल रही है। अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो दिन पहले की गई ताजा गिरफ्तारी भी शामिल हैं। 23 सितंबर को गयाप्रसाद गौतम को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 25 अगस्त से 18 सितंबर के बीच रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद, विप्लब अधिकारी, प्रियन रॉय, जॉय चौधरी और नसीम अख्तर को गिरफ्तार किया था।

बृजभूषण की मुश्किलें बढ़ीं: पहलवानों ने यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के फैसले को चुनौती दी

नई दिल्ली , एजेंसी।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें फिर बढ़ी हैं। उन्हें यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में चुनौती दे दी है। बीते 3 अगस्त को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण को इन आरोपों से बरी किया था। अब चार महिला पहलवानों ने फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट का रुख किया है, साथ ही सह-आरोपी विनोद तोमर की रिहाई को चुनौती दी है। महिला पहलवानों की अपील पर राउज एवेन्यू कोर्ट शनिवार को सुनवाई कर सकती है। याचिका में दावा किया है कि निचली अदालत का आदेश कानून की दृष्टि में मान्य नहीं है और उसमें सबूतों का गलत व चुनिंदा आकलन हुआ। अपील में आरोप है कि फैसला अनुमान और अटकलों पर आधारित था, जिसमें स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही ढंग से लागू नहीं किया गया। पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया। यह चुनौती बृजभूषण शरण सिंह की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें फिर से बढ़ा सकती है। राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद सिंह ने अपने लिए बड़ी राहत बताया था।

उन्होंने कहा था कि यह फैसला उन सभी लोगों को बल देगा, जिन पर झूठे आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि इस मामले में ओलंपिक पदक विजेताओं और विपक्षी दलों सहित कई बड़े लोग शामिल थे। बृजभूषण ने हमेशा खुद पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। यह विवाद देश के सबसे चर्चित खेल और कानूनी मामलों में से एक रहा है, जिसकी शुरुआत 2023 में हुई थी, जब कई महिला पहलवानों ने 2016 से 2022 के बीच विभिन्न स्थानों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

अखिलेश का रुख साफ कहा- जो जीत पाएं वो सीटें ले ले कांग्रेस

- कांग्रेस के गढ़ में सपा ने तय कर दी गठबंधन की शर्त

रायबरेली, एजेंसी।
समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकसभा क्षेत्र रायबरेली से अपने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभियान का जोरदार आगाज किया है। उन्होंने गठबंधन की शर्तों को स्पष्ट करते हुए कहा, गठबंधन भी होगा, गठबंधन के साथ चुनौती भी होगीज हमारे लिए बात सीट की नहीं, जीतने वाली सीट की होगी। जो जीते, वह सीट ले ले। अखिलेश ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी ने भाजपा को हराया था और अब 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की स्थायी हार सुनिश्चित करने के लिए काम किया जाएगा।
अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर अपनी पार्टी की प्राथमिकता को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण जीतने की संभावना होगी, और जो उम्मीदवार या पार्टी किसी सीट पर जीत हासिल कर सकती है, उस सीट पर उसी का दावा होना चाहिए। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में मिलकर चुनाव लड़ा था, जिससे दोनों दलों के प्रदर्शन में 2022 के विधानसभा चुनाव की तुलना में काफी सुधार हुआ था, जब वे अलग-अलग लड़े थे। अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को भाजपा और समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) सामाजिक गठजोड़ के बीच मुकाबले के तौर पर पेश किया। उन्होंने 'ए' के दायरे को और व्यापक करने की कोशिश करते हुए इसमें महिलाओं (आधी आबादी) को भी जोड़ने की बात कही। उन्होंने गाजीपुर में विश्वकर्मा परिवार से जुड़े कथित मामले और एक बिंद युवक का भी जिक्र किया, और कहा कि समाजवादी पार्टी विश्वकर्मा, लोध और पासी समेत इन समुदायों के लोगों को न्याय दिलाने के लिए काम करेगी।
सपा अध्यक्ष ने भाजपा की 'बुलडोजर राजनीति' पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पीडीए से जुड़े समुदायों को प्रशासनिक कार्रवाई के जरिए चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, जबकि सत्ता से जुड़े समुदायों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। अखिलेश ने कहा कि असमानता के खिलाफ संघर्ष जारी है और पीडीए के मतदाता अब अपनी राजनीतिक ताकत को समझ चुके हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि 'बुलडोजर राजनीति' करने वाले लोग पीडीए आंदोलन से बच नहीं पाएंगे, और इस बार चुनावी फैसला केवल ऐसी राजनीति को हराएगा नहीं, बल्कि उसे खत्म करेगा।

रायबरेली में सपा विधायक श्याम सुंदर भारती ने भी पार्टी के दावे को मजबूती से रखा और रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ बताए जाने पर सवाल उठाया। भारती ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने जिले की चार सीटें जीती थीं, और दो सीटों पर पार्टी बेहद कम अंतर से हारी थी। उन्होंने दावा किया कि अगर ये सीटें भी सपा के खाते में आतीं तो जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर पार्टी जीत दर्ज करती।

जमुई छेड़छाड़ : माता-पिता ने सीएम से की सख्त कार्रवाई की गुहार

पटना(एजेंसी)। जमुई में छेड़छाड़ की शिकार हुई एक नाबालिग लड़की के माता-पिता ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर अपनी बेटी को परेशान करने वाले दरिंदों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री चौधरी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी की सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। पीड़िता की मां ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपील कर कहा कि अपराधियों को भी उसी डर और तकलीफ का सामना करना चाहिए, जो उन्होंने उनकी मासूम बेटी को दी है। उन्होंने भावुक होकर कहा, मेरी बेटी गिड़गिड़ा रही थी, अब उन दोषियों को भी गिड़गिड़ाना चाहिए। हालांकि, मां ने बिहार सरकार और पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 24-48 घंटों के भीतर पहले तीन आरोपियों को पकड़ा गया और फिर एक मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी को दबोच गया। मुख्यमंत्री ने परिवार को भरोसा दिलाया है कि उनकी बेटी उनकी अपनी बेटी जैसी है और उसकी हर संभव मदद की जाएगी।

अभिजीत का दावा- ज्ञानेश ने कई भाजपा नेताओं को हराया

48 घंटे में सीईसी ने इस्तीफा दें नहीं तो आंदोलन होगा-सीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से 48 घंटे के भीतर इस्तीफे की मांग की है और ऐसा न होने पर राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीजेपी के अभिजीत दीपके ने यह चौंकाने वाला दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं के हालिया चुनावों में हारने की वजह ज्ञानेश कुमार हैं, हालांकि उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया। हाल ही में एक खोजी मीडिया रिपोर्ट के बाद सीईसी विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं, जिस पर सीजेपी ने भी अपनी आवाज़ बुलंद की है।
दीपके ने इस सवाल के जवाब में कि क्या विपक्ष को भी इस बार चुनाव से मना कर देना चाहिए, कहा कि अगर फ्री एंड फेयर चुनाव नहीं होता है तो कोई भी चुनाव न लड़े। भाजपा के नेता भी जो हारे इलेक्शंस उनको भी मैं कहना चाहता हूं सर आप भी

जीत सकते थे लेकिन आपको ज्ञानेश कुमार ने हराया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के चुनाव से दूरी बनाने के सवाल पर कहा कि जिसको बात माननी है वो माने जिसको ना माननी है वो ना माने वो उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। ज्ञानेश कुमार के 48 घंटे में इस्तीफा न देने पर सीजेपी ने पूरे देश में आंदोलन की घोषणा की है। दीपके ने बताया कि हम हर राज्य जाएंगे, हम हर शहर जाएंगे और लोगों को जगाने की कोशिश करेंगे। जैसे एक हमने जंतरमंतर पर आंदोलन करने से पहले हम देश भर में गए थे। वैसे ही हम ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी देश भर में जाएंगे। सीजेपी ने कई प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा, एसआईआर प्रक्रिया की पूरी स्वतंत्र जांच, एसआईआर को रोकना और पहले की मतदाता सूची को बहाल करना शामिल है। इसके अलावा, सभी संबंधित एसआईआर रिकॉर्ड और फाइलों को उच्चतम न्यायालय या स्वतंत्र न्यायिक निगरानी वाली जांच को सौंपना, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार और उन अधिकारियों की पहचान करना भी शामिल है, जिन्होंने विवादित बदलावों और निर्देशों को मंजूरी दी थी। दीपके ने चुनाव से छेड़छाड़ और वोट की चोरी को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि लोगों में गुस्सा पहले ही बहुत है। अच्छा होगा अगर ज्ञानेश कुमार 48 घंटों के अंदर इस्तीफा दे दें, नहीं तो ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पूरे देश में आंदोलन होगा।

प्रियंका गांधी का तीखा वार : चुनावी धांधली से आया है उनका ओवरकॉन्फिडेंस

वायनाड, एजेंसी।
चुनाव आयोग में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मतभेद की मीडिया रिपोर्टों के बाद सियासी गर्मागर्मी के बीच, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावों में धांधली करके अति आत्मविश्वासी हो गई है।
प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा के तर्क को घटिया बहाना बताया कि कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाती, तब चुनाव की वैधता पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा, यह बहुत ही पुरानी और कमजोर कहानी है। तथ्य और सबूत पूरे देश के सामने हैं, जैसा कि मेरे भाई राहुल गांधी ने कई

प्रेसवार्ता में दिखाया है। यह बिल्कुल साफ है कि 13 करोड़ वोटरों के नाम हटाए गए हैं। प्रियंका ने चेतावनी दी कि यदि भाजपा चुनावों में गड़बड़ी कर रही है और चुनाव आयोग से यह काम करा रही है, तब यह देशद्रोह का काम है और उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर चुनावों में धांधली कर ओवरकॉन्फिडेंट होने का आरोप दोहराया। उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाकर कहा कि यदि वे ऐसा कर रहे हैं, तब वे इस स्वीकार क्यों नहीं करते? वे किस बात से डरते हैं? उन्होंने कहा कि वर्षों से चुनावों में हो रही कथित धांधली ही उनके हर समय के ओवरकॉन्फिडेंस का स्वाभाविक कारण है।
यह हमला नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा वार किया था। राहुल ने ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देकर वोट चोरी के मामले में सरकारी गवाह बनने की बात कही थी और उनके कृत्यों को देशद्रोह के समान बताया था।

भारत न केवल अपनी जरूरतों बल्कि दुनिया के लिए भी तैयार कर रहा उत्पाद

-पीयूष गोयल ने कहा-'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने नियमों को सरल बनाया

नई दिल्ली,, एजेंसी।
'मेक इन इंडिया' की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत न केवल अपनी जरूरतों के लिए विनिर्माण कर रहा है, बल्कि दुनिया के लिए भी उत्पाद तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल इस सरल विश्वास पर आधारित एक दृष्टिकोण है कि भारत दुनिया के लिए विनिर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक उपलब्धि नहीं है। यह हमें याद दिलाती है कि जब कोई देश अपनी क्षमताओं पर विश्वास करता है और सरकार निरंतर सुधारों और ठोस कदमों के जरिए उस विश्वास को मजबूती देती है, तो क्या कुछ हासिल किया जा सकता है।
गोयल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि 2014 को पीछे मुड़कर देखें तो भारत की विनिर्माण क्षमता को लेकर होने वाली बहसें याद आ सकती हैं। उस समय भारत में इस्तेमाल होने वाले कई उत्पाद आयात किए जाते थे। पीएम मोदी ने इसे हमारी नियति मानने से इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जहां दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले उत्पाद गर्व से 'मेड इन इंडिया' का टैग लगाएंगे और अपनी गुणवत्ता के लिए पहचाने जाएंगे।
उन्होंने कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने नियमों को सरल बनाया है और अनुपालन का बोझ कम किया है। वहीं, प्रमुख क्षेत्रों में किए गए सुधारों ने निवेश और विनिर्माण के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। पीएलआई योजनाओं ने इसमें और गति दी है। 31 मार्च 2026 तक इन योजनाओं के तहत 2.40 लाख करोड़ रुपए का वास्तविक निवेश हुआ, 23.8 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन/बिक्री दर्ज की गई और 15.2 लाख करोड़ रुपए का निर्यात हुआ। साथ ही, 14.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए।
केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह उस आत्मविश्वास की कहानी है, जो इस पहल ने पैदा किया है। हमारे स्टार्टअप संस्थापकों, उद्यमियों, निर्माताओं, नवोन्मेषकों, निर्यातकों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे लोगों में यह विश्वास पैदा हुआ है कि भारत बना सकता है, भारत नवाचार कर सकता है और भारत दुनिया से प्रतिस्पर्धा कर सकता है।' गोयल ने जोर देकर कहा कि मेक इन इंडिया की यात्रा जारी है और अब इसका लक्ष्य और भी बड़ा है जिसमें भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनाना शामिल है, जो 2047 तक विकसित भारत के हमारे विजन को भी मजबूत करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस, 26 सितंबर 2026 पर विशेषः)

नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना 'पर्यावरण स्वास्थ्य बजट' बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आवरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी, तालाब, जलस्तर, वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- 'पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना।' यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, श्वसन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा।

आज दुनिया को 'इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था' से 'रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था' की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले 'वन हैल्थ' दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता, स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है।

नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना 'पर्यावरण स्वास्थ्य बजट' बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आवरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी, तालाब, जलस्तर, वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए। अस्पतालों को भी ऊर्जा-कुशल, कम-कार्बन और जल-संरक्षण आधारित बनाया जाए। विज्ञान इस अभियान का मार्गदर्शक बने और संवेदना उसका आधार। आंकड़े हमें संकट का आकार बताते हैं, लेकिन संवेदना हमें कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे हम बचा रहे हैं, हम स्वयं प्रकृति का हिस्सा हैं। नदी को बचाना अपने रक्त में बहते जल को बचाना है, जंगल को बचाना अपनी सांस को बचाना है, मिट्टी को बचाना अपने भोजन को बचाना है और जलवायु को बचाना अपने भविष्य को बचाना है। आज आवश्यकता पर्यावरण बनाम विकास की बहस की नहीं, बल्कि पर्यावरण-सम्मत विकास की है। विज्ञान हमें रास्ता दिखा रहा है और प्रकृति हमें उसकी कीमत का संकेत दे रही है। अब निर्णय मनुष्य को करना है कि वह संसाधनों का स्वामी बनकर उन्हें समाप्त करेगा या संरक्षक बनकर उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं। अंततः हमें ऐसी दुनिया बनानी है जहां अस्पताल कम और स्वस्थ जीवन अधिक दिखाई दे, जहां बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी नहीं, सुरक्षित प्राकृतिक जल सामान्य जीवन का हिस्सा हो। जहां वृक्ष सजावट नहीं, जीवन-सहचर माने जाएं, जहां नदी संसाधन नहीं, जीवंत धरोहर समझी जाए। पर्यावरण को स्वस्थ करना ही मानव स्वास्थ्य को स्वस्थ करना है और मानव जीवन को स्वस्थ बनाना ही पर्यावरण की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यही सोच स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ मनुष्य और स्वस्थ विश्व की नई त्रिवेणी बना सकती है। यही विज्ञान के साथ खड़े होने का वास्तविक अर्थ है और यही विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की सार्थकता भी।

संपादकीय

चुनाव आयोग की जवाबदेही

हाल के वर्षों में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर देश का विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। हालांकि, चुनाव हारने पर विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला पुराना है। लेकिन पिछले कुछ सालों में भारत का चुनाव आयोग विश्वसनीयता की कसौटी पर खरा नहीं उतर पा रहा है। जिसकी तपिश भारतीय लोकतंत्र की साख पर भी पड़ती है। निस्संदेह, चुनाव आयोग का दायित्व लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव कराना और नागरिकों के वोट देने के महत्वपूर्ण अधिकार की रक्षा करना होता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को विवादित 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' यानी एसआईआर से जुड़ी विसंगतियों ने भारी ठेस पहुंचायी है। हाल ही में दिल्ली के एक अंग्रेजी अखबार की पड़ताल में पता चला है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने अक्तूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच कम से कम चौदह बार उन फैसलों पर आपत्ति जताई, जो उनकी जानकारी में लाए बगैर लिये गए थे। सूत्रों के मुताबिक इन दो चुनाव आयुक्तों की चिंताओं में फॉर्म-6 में बदलाव, वोटर लिस्ट डेटाबेस का सेंट्रलाइजेशन, फील्ड अधिकारियों की इस तक सीमित पहुंच और वोटरों के नाम हटाने की प्रक्रिया शामिल थी। निस्संदेह, इस प्रकरण से मुख्य चुनाव आयुक्त की स्थिति असहज हो गई है। इसके बाद अक्सर चुनाव आयोग पर हमलावर रहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष और ज्यादा हमलावर हो गया है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग कर रहा है। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया का संचालन करने वाली संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के चुनाव आयुक्तों के बीच उजागर हुए इस मतभेद को प्रशासनिक छोटी-मोटी बात कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ये प्रकरण चुनाव की विश्वसनीयता और जवाबदेही के मूल मुद्दे से जुड़ा है। वोटर रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिये बने फॉर्म-6 में, रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स-1960 में कानूनी रूप से सही तरीके से संशोधन किए बिना बदलाव कर दिए गए। इन बदलावों के चलते नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। विडंबना यह है कि जो फॉर्म-6 वोटर रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिये बना था, उसे बेहद जटिल बना दिया गया। जिसमें यह जानकारी देनी अनिवार्य कर दी गई कि क्या वोटर के माता-पिता का नाम पिछली एसआईआर सूची में शामिल था। उल्लेखनीय है कि एसआईआर की जटिलता को महसूस करते हुए पिछले बार की प्रक्रिया की जिम्मेदारी चुनाव आयोग के कर्मचारियों ने निभायी थी। लेकिन इस बार यह जवाबदेही वोटरों के सिर पर डाल दी गई। एक सामान्य मतदाता कैसे याद रखे कि करीब चौथाई सदी पहले उसने या उसके माता-पिता ने किस बूथ पर वोट डाला था। इस संबंध में जानकारी जुटाने के लिये लोग दर-दर की ठोकरें खाते रहे हैं। इस जानकारी से मैपिंग न हो पाने के कारण पूरे देश में करोड़ों मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से निकाल दिए गए। पश्चिम बंगाल में, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटाने पर नागरिकों व विपक्ष ने कड़ा प्रतिरोध किया। अब तक तय की गई दस में से नौ अपीलों में वोट बहाल होने की रिपोर्ट से पता चलता है कि विसंगतियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। इस समस्या का समाधान करने की प्रक्रिया की कछुआ चाल का पता इस बात से चलता है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त ट्रिब्यूनल को बंगाल में लंबित 37 लाख अपीलों का निस्तारण करने में करीब बारह साल लग सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र के हित में जरूरी है कि चुनाव आयोग को गोपनीयता का पर्दा अविलंब हटाना चाहिए।

ईश्वरचंद्र विद्यासागरः समाज सुधार के अग्रदूत

(लेखिका- श्वेता गोयल)

-नारी उत्थान के प्रबल समर्थक थे ईश्वरचंद्र

(ईश्वरचंद्र विद्यासागर जयंती (26 सितम्बर) पर विशेष)

'अपना काम स्वयं करो' सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वरचंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे, जिन्होंने सदैव लोगों को अपने क्रियाकलापों के माध्यम से स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। भारतीय इतिहास में उन्हें एक महान शिक्षक, फिलॉसोफर और समाज सुधारक जैसे कई रूपों में याद किया जाता है। अपने सादा जीवन, निडर स्वभाव, आत्म-बलिदान की भावना, शिक्षा के प्रति समर्पण और दलितों के हित के लिए किए गए कार्यों के कारण ईश्वरचंद्र विद्यासागर पूरी दुनिया के लिए एक महान व्यक्ति बन गए थे। संस्कृत कॉलेज में उन्होंने आधुनिक पश्चिमी विचारों के अध्ययन की शुरुआत की और तथाकथित निचली जातियों के छात्रों को संस्कृत का अध्ययन करने के लिए प्रवेश दिया। संस्कृत भाषा और दर्शन में अगाध ज्ञान होने के कारण उनकी महान विद्वता के लिए कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज, जिसके बाद में वे कुछ वर्षों तक प्रिंसिपल भी रहे, ने ही उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही 'विद्यासागर' की उपाधि से सम्मानित किया था। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जीवन पर्यन्त प्रयास किया। बांग्ला भाषा के गद्य को सरल और आधुनिक बनाने का उनका कार्य भी सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल और तर्कसम्मत बनाया तथा बांग्ला पढ़ाने के लिए सैंकड़ों विद्यालय स्थापित किए और रात्रि पाठशालाओं की भी व्यवस्था की।

नारी शिक्षा के लिए तो ईश्वरचंद्र ने व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया ही था, उन्हीं के निरंतर प्रयासों और दृढ़संकल्प की बदौलत ही वर्ष 1856 में ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज सरकार विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुई थी, जिसके बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की शुरूआत कर सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हुआ था। दरअसल उस समय हिंदू समाज में विधवाओं की स्थिति काफी चिंताजनक थी। 1820 में जिस समय वह बंगाल में पैदा हुए थे, उन दिनों समाज में अनेक कुरीतियां जड़ें जमाई हुई थी, जिनमें एक थी विधवा होने वाली महिलाएं या सती होने के लिए बाध्य की जाती थी या फिर उनका वैधव्य जीवन बेहद उपेक्षित और दयनीय स्थिति में बीतता था। ईश्वर चंद्र ही वह शख्सियत थे, जिन्होंने तमाम विरोधों के बाद भी न केवल बंगाल में विधवाओं का विवाह कराया बल्कि तत्कालीन अंग्रेज सरकार को इस बारे में कानून बनाने के लिए भी बाध्य किया। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह के लिए लोकमत तैयार किया और उनके अटूट प्रयासों की बदौलत ही 'विधवा पुनर्विवाह कानून' पारित हो सका था। वह कानून पारित होने के तीन महीने बाद ही उन्होंने एक विधवा कमलादेवी का विवाह प्रतिष्ठित घराने के एक युवक के साथ कराया था, जो बंगाल का पहला विधवा विवाह था। उन्होंने 25 विधवाओं का पुनर्विवाह 1856-60 के बीच सम्पन्न कराया। यही नहीं, अपने इकलौते पुत्र नारायण का विवाह भी एक विधवा से कराकर समस्त उन्होंने भारतीय समाज के समक्ष कथनी और करनी के भेद को खत्म करने की अविस्मरणीय मिसाल पेश की थी।

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक गरीब ब्राह्मण परिवार में 26 सितम्बर 1820 को जन्मे ईश्वरचंद्र विद्यासागर जीवन पर्यन्त नैतिक मूल्यों के संरक्षक माने जाते रहे। वास्तव में वे एक ऐसी महान् शख्सियत थे, जिन्होंने नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ बहुपत्नी प्रथा और बहु-विवाह के खिलाफ भी आवाज उठाई। वे अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक नारी उत्थान के प्रबल समर्थक रहे। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर कई बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई थी और उन्होंने कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। नारी शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास करते हुए उन्होंने बैठुने स्कूल की स्थापना की और करीब तीन दर्जन स्कूल खुलवाए। इतना ही नहीं, इन स्कूलों के संचालन के लिए पूरे खर्च की जिम्मेदारी भी उन्होंने स्वयं उठाई थी। दरअसल स्कूलों के खर्च के लिए वे विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा लड़कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मैट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ाने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने कोलकाता में वर्ष 1872 में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था।

बंगाल समाज के लिए किए गए इसी प्रकार के अनेक कार्यों की वजह से ही उन्हें बंगाल पुनर्जागरण का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। समाज सुधार तथा समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें गरीबों और दलितों का संरक्षक तथा महान् समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा। भारतीय समाज में आज भी ईश्वरचंद्र विद्यासागर को स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद्, दार्शनिक इत्यादि अनेक रूपों में स्मरण किया जाता है। 29 जुलाई 1891 को यह महान् शख्सियत हमेशा के लिए अटल शून्य में विलीन हो गई। हमेशा समाज की भलाई के लिए सोचने और समाज के लिए कुछ अलग करते रहने के कारण ही उन्हें एक महान् समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता रहा है। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और महान शिक्षाविद विद्यासागर का मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषाओं के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

(लेखिका 18 वर्ष से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

वाणी का शरीर पर प्रभाव

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

सरकार, चुनाव आयोग और न्याय पालिका में भगदड़?

(लेखक-सनत जैन)

देश की राजनीति में पिछले कुछ दिनों में जिस तेजी से घटनाक्रम बदला है, उसकी कल्पना शायद किसी ने नहीं की थी। चुनाव आयोग को लेकर एक के बाद एक सवाल उठ रहे हैं। अब इन सवालों की आंच केवल आयोग तक सीमित नहीं रह गई है। सरकार, चुनाव आयोग और न्याय पालिका की भूमिका सार्वजनिक बहस के केंद्र में आ गई है। सवाल यह नहीं है, आरोप किस पर लगे हैं। सवाल यह है, संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कैसे बचेगा? सबसे बड़ा विवाद एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर है। पश्चिम बंगाल में लाखों नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बड़ी संख्या में अपील, सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने विशेष अधिकार का उपयोग करते हुए ट्रिब्यूनल बनाना, उनमें से बहुत कम मामलों का अब तक निपटारा,यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार 38 लाख से अधिक अपीलें सामने आईं। बड़ी संख्या अभी भी लंबित है। जिन मामलों में फैसला आया है, उसमें 91 फ़ीसदी मतदाता सही पाए गए हैं। अभी तक 13 करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। 2024 के बाद से 18 साल की उम्र पूरी कर चुके मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' के आधार पर जारी नोटिसों की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है क्या नोटिस यांत्रिक तरीके से भेजे गए हैं?

यहीं से असली सवाल शुरू होता है। क्या मतदाता सूची केवल प्रशासनिक दस्तावेज है। या लोकतंत्र की बुनियाद है।यदि एक पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटता है। तो नुकसान केवल एक व्यक्ति का नहीं, उसके लोकतांत्रिक अधिकार का होता है। चुनाव आयोग ने जो नया पोर्टल बनाया है उसमें बीएलओ,एआर ओ, तथा जिला स्तर पर जो अधिकार मतदाता सूची को तैयार करने और मतगणना, चुनाव परिणाम घोषित करने के अधिकारों को चुनाव आयोग ने अपने पास ले लिया था। यह केंद्रीकृत व्यवस्था संवैधानिक नियमों के खिलाफ थी। इस पर सबसे ज्यादा विवाद देखने को मिल रहा है। इसकी जानकारी दोनों चुनाव आयुक्त को भी नहीं दी गई। चुनाव आयोग के भीतर के मतभेद अब सार्वजनिक चर्चा का विषय बन चुके हैं। रिपोर्टों के अनुसार दोनों चुनाव आयुक्तों ने पिछले महीनों में आयोग के कई निर्णयों पर आपत्तियां दर्ज कीं। अक्टूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच 14 आपत्तियों का उल्लेख सामने आया है। तीन सदस्यीय संवैधानिक संस्था में निर्णयों को लेकर ऐसी गंभीर असहमति है,तो देश को यह जानने का अधिकार है, निर्णय लेने की वास्तविक प्रक्रिया क्या थी। किस स्तर पर किसकी सहमति से निर्णय लिए गए।इसके साथ चुनाव आयोग के तकनीकी ढांचे, पोर्टल और सॉफ्टवेयर को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आयोग स्वयं अनेक डिजिटल एप्लीकेशन और पोर्टल संचालित कर रहा है। इसकी जानकारी भी दो चुनाव आयक्तों के पास नहीं है। नए तकनीकी बदलावों, डेटा प्रबंधन और मतदाता सूची से जुड़े सॉफ्टवेयर पर आयोग के भीतर ही पारदर्शिता को लेकर सवाल हैं। उनका सार्वजनिक और स्वतंत्र ऑडिट क्यों नहीं होना चाहिए? इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू न्यायपालिका है। एसआईआर को लेकर लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। अब अदालत स्वयं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल पूछ रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि न्यायपालिका पर आरोप स्वतः सिद्ध हो गए। यह जरूर है, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता पर उठने वाले हर सवाल का जवाब न्यायपालिका द्वारा रिकॉर्ड पर दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और केंद्रीय चुनाव आयोग के प्रमुख आयुक्त ज्ञानेश कुमार के निजी संबंधों को लेकर भी तरह-तरह की जानकारी सार्वजनिक हो रही है। इसका भी खुलासा होना जरूरी है।नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम से जुड़ा मामला इस बहस को और संवेदनशील बनाता है। मेधा रूपम मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की पुत्री हैं।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक छात्रा की एनएसए हिरासत को रद्द करते हुए अधिकारियों पर गंभीर टिप्पणियां की थीं। 5 लाख रूपये के मुआवजे का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने, हाईकोर्ट की टिप्पणियों और मुआवजा वसूली वाले हिस्से पर रोक लगा दी है। छात्रा की हिरासत रद्द करने का आदेश बरकरार रखा है। सुनवाई के दौरान वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग फीड म्यूट किए जाने और मामले की लिस्टिंग को बदलने को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को पारदर्शिता के साथ काम करना होगा, जो कानूनी संरक्षण मिला हुआ है वह निष्पक्षता और पारदर्शिता से काम करने के लिए मिला हुआ है।

बीमा क्षेत्र की ग्रोथ में हिस्सेदारी का मौका, डीएसपी ने लॉन्च किया इंश्योरेंस

नए फंड ऑफर की सदस्यता 24 सितंबर को शुरू हुई और यह 28 सितंबर को बंद होगा

मुंबई ।

देश के तेजी से बढ़ते बीमा क्षेत्र की अपार संभावनाओं में निवेश करने की तलाश में जुटे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है।

डीएसपी म्युचुअल फंड ने डीएसपी बीएसई इंश्योरेंस ईटीएफ लॉन्च किया है, जो इस सेक्टर की दिग्गज कंपनियों में पैसिव निवेश का विकल्प प्रदान करता है। यह ओपन एंडेड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) सीधे बीएसई इंश्योरेंस इंडेक्स में शामिल कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा, जिसका प्राथमिक लक्ष्य लंबी अवधि में निवेशकों के लिए पूंजी वृद्धि करना है। इस नए फंड ऑफर की सदस्यता 24 सितंबर को शुरू हुई थी और यह 28 सितंबर को बंद होगा।

इसके बाद निवेशक 7 अक्टूबर से इस स्कीम में दोबारा खरीद-बिक्री कर सकेंगे। निवेशक इस ईटीएफ में न्यूनतम 5,000 रुपये से शुरुआत कर सकते हैं, जिसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश की सुविधा है। इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं है और इसका एक्सपेंस रेशियो 0.30 फीसदी तक निर्धारित किया गया है। भारतीय बीमा क्षेत्र को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी वजह इसकी अपार विकास क्षमता है। वर्तमान में, भारत में जीडीपी में प्रीमियम का हिस्सा मात्र 3.7 फीसदी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 7.30 फीसदी है, जो इस क्षेत्र में वृद्धि की व्यापक गुंजाइश को दर्शाता है। प्रति व्यक्ति बीमा पर खर्च वैश्विक स्तर से काफी कम है, और नॉन-लाइफ इंश्योरेंस सेगमेंट सालाना 14.5 फीसदी की दर से बढ़ने के बावजूद अभी भी बड़े पैमाने पर अनछुआ है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाएं जागरूकता बढ़ा रही हैं, वहीं व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर 0 फीसदी जीएसटी जैसी अनुकूल नीतियां इस सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ने में मदद कर रही हैं। डीएसपी बीएसई इंश्योरेंस ईटीएफ एक पैसिव इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी अपनाएगा, जिसका अर्थ है कि यह बीएसई इंश्योरेंस इंडेक्स में शामिल शेयरों में उसी अनुपात में निवेश करेगा जिस अनुपात में वे इंडेक्स में हैं। फंड का मुख्य उद्देश्य ट्रैकिंग एरर को कम रखते हुए अपने बेंचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराना है।

पीबी फिनटेक के शेयर 36 फीसदी टूटकर 18 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

पॉलिसीबाजार की पैरेंट कंपनी पीबी` फिनटेक के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। भारतीय बीमा नियामक आईआरडीएआई द्वारा बीमा वितरण कमीशन और खर्च से जुड़े नियमों में व्यापक बदलाव के प्रस्ताव के बाद स्टॉक करीब 36 फीसदी टूटकर 18 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट ने निवेशकों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। आईआरडीएआई ने बीमा डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन स्ट्रक्चर पर सीमा लगाने का प्रस्ताव किया है। प्रस्तावित बदलावों में हेल्थ इंश्योरेंस में कमीशन को 15-20 फीसदी और टर्म लाइफ इंश्योरेंस में इसे 25 फीसदी तक सीमित करने की बात कही गई है।

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि ये सीमाएं सीधे तौर पर पीबी ` फिनटेक के कारोबार की कमाई और मुनाफे पर नकारात्मक असर डालेंगी।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश में 2025-26 सत्र के लिए अतिरिक्त तंबाकू बिक्री को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के तंबाकू किसानों को बड़ी राहत दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने 2025-26 के फसल सत्र के लिए फ्लू-क्योर वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू की बिक्री के नियमों में ढील दी है। अब पंजीकृत और गैर-पंजीकृत दोनों प्रकार के उत्पादक अपनी अतिरिक्त उपज को तंबाकू बोर्ड के अधिकृत नीलामी मंचों पर बेच सकेंगे।

फ्लू-क्योर तंबाकू वह होता है जिसे धातु के पाइपों के जरिए पहुंचाई गई गर्मी से विशेष, धुआं-मुक्त भट्टियों में सुखाया जाता है। यह निर्णय वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव नितिन कुमार यादव के नेतृत्व में एक दल द्वारा जुलाई में आंध्र प्रदेश के बाजार हालातों की समीक्षा के बाद लिया गया है। बीते 24 सितंबर को जारी अधिसूचना के अनुसार केंद्र ने तंबाकू बोर्ड अधिनियम के एक प्रावधान के क्रियान्वयन में ढील दी है, जिससे अनाधिकृत फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया तंबाकू की बिक्री को भी अनुमति मिल गई है। यह कदम किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में सहायक होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 315, निफ्टी 77 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था पर अंतिम कारोबारी दिन इसमें तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 315.20 अंक करीब 0.43 फीसदी की बढ़त के साथ ही 73,895.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 77.40 अंक तकरीब 0.34 फीसदी की तेजी दर्ज करते हुए 23,140.50 के स्तर पर बंद हुआ। यह बढ़त गुरुवार को हुई भारी बिकवाली के बाद बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो दिखाता है कि निवेशकों का भरोसा पूरी तरह से डगमगाया नहीं है। बाजार बंद होते समय सेंसेक्स में शामिल 30 प्रमुख शेयरों में से 20 शेयरों ने बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि बाकी के 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के टॉप गेनर में एक्सिस बैंक सबसे आगे रहा, जिसमें 2.82 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। वहीं, ट्रेंट 1.41 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहा। निफ्टी के टॉप गेनर्स की बात करें तो एक्सिस बैंक (3.03फीसदी),

एशियन पेंट्स (2.14फीसदी), महिंद्रा एंड महिंद्रा (1.75फीसदी), बजाज फाइनेंस (1.52फीसदी) और पावरग्रिड (1.16फीसदी) ने निवेशकों को मुनाफा दिया।

दूसरी ओर, निफ्टी के टॉप लूजर्स में मैक्स हेल्थकेयर (3.06फीसदी), टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (1.54फीसदी), इन्फोसिस (1.41फीसदी), ओएनजीसी (1.31फीसदी) और ट्रेंट (1.14फीसदी) शामिल रहे, जिन्होंने गिरावट दर्ज की। शेयर बाजार में आई इस अप्रत्याशित गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 16 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.83 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे चढ़कर 95.85 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू आयातकों, विशेषकर तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख के चलते डॉलर सूचकांक में व्यापक मजबूती घरेलू मुद्रा पर दबाव बना रही है। हालांकि, कारोबारियों का कहना है कि मुद्रा बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हस्तक्षेप कर सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.92 पर खुला। इसके बाद इसमें कुछ सुधार देखा गया और यह 95.85 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे टूटकर 95.99 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 101.28 पर था।

भारत का नया निवेश संधि मॉडल कैबिनेट मंजूरी के करीब

वित्त मंत्रालय ने कैबिनेट सचिवालय को भेजा मसौदा नोट

नई दिल्ली ।

सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत का नया मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) ढांचा तैयार हो चुका है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की संभावना है। वित्त मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए मसौदा नोट कैबिनेट सचिवालय को भेज दिया है। यह संशोधित मॉडल भारत की वार्ता प्रक्रियाओं को आसान बनाएगा और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। 2015 के मौजूदा मॉडल की जगह लेने वाले इस नए ढांचे में कुछ लक्ष्मण रेखाएं तय की गई हैं। इनमें कर से संबंधित कोई प्रावधान शामिल नहीं होगा, ताकि भारत अपनी कराधान संप्रभुता पर कोई समझौता न करे। इसके साथ ही स्थानीय कानूनी प्रावधानों को भी बीआईटी के दायरे से बाहर रखा गया है, जिससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनी रहे। नया मॉडल विदेश में निवेश करने वाले भारतीय कंपनियों को भी पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है। मौजूदा ढांचे में विदेशी निवेशकों के लिए संधि-आधारित मध्यस्थता शुरू करने से पहले पांच साल तक इंतजार करना अनिवार्य है, जिसे अब और अधिक निवेशक-अनुकूल बनाने की मांग की जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के बजट में भी मौजूदा मॉडल में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। भारत इस समय कनाडा और ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ नई संधियों पर बातचीत कर रहा है।

भारत-अमेरिका ने रूस-ईरान प्रतिबंधों पर चर्चा की

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून पर भारत की चिंताएं दोहराईं

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका और भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के इतर उन देशों पर लगाए जा सकने वाले संभावित प्रतिबंधों पर गहन चर्चा की, जो रूस और ईरान से आर्थिक रूप से जुड़े हैं। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की और क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद करने का आश्वासन दिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, रुबियो और जयशंकर ने पश्चिम एशिया और उससे आगे के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। रुबियो ने जोर देकर कहा कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में बेहतर स्थिति में है। जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून को लेकर भारत के हितों और चिंताओं को दोहराया। दोनों राजनयिकों ने सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी की महत्त्वपूर्ण भूमिका की भी पुष्टि की। जयशंकर ने एक्स पर इस मुलाकात को अच्छा बताया और खाड़ी तथा यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। इसी बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएन महासभा के इतर कई अन्य महत्वपूर्ण बैठकें भी कीं। उन्होंने भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की

बैठक में कैरेबियाई देशों के साथ आर्थिक, डिजिटल और आवागमन के क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कैरेबियाई क्षेत्र में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन व वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का अनुरोध किया। एक सकारात्मक घटनाक्रम के रूप में, भारत को प्रशांत द्वीप समूह फोरम (पीआईएफ) में रणनीतिक साझेदार श्रेणी में शामिल किया गया, जिसे जयशंकर ने इस क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग को और मजबूत करने वाला बताया।

आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बेचने वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन जारी

प्रेम वत्स समर्थित फेयरफैक्स और दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी की संशोधित बोलियां विचाराधीन

नई दिल्ली ।

सरकार आईडीबीआई बैंक में अपनी रणनीतिक हिस्सेदारी बेचने के लिए प्राप्त वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन कर रही है।

सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि यह विनिवेश प्रक्रिया स्थिर गति से आगे बढ़ रही है, जिसमें बैंक की 60.72 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, अरबपति निवेशक प्रेम वत्स समर्थित फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स और दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी ने जुलाई में आईडीबीआई बैंक में यह हिस्सेदारी खरीदने के लिए अपनी संशोधित बोलियां जमा की थीं। प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, दोनों बोलीदाताओं को गृह मंत्रालय (एमएचए) से सुरक्षा मंजूरी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से उपयुक्त एवं उचित (fit and proper) होने का मूल्यांकन पहले ही मिल चुका है। दोनों बोलीदाताओं के पास भारतीय बैंकिंग क्षेत्र का अनुभव है; एमिरेट्स एनबीडी ने इस साल की शुरुआत में आरबीएल बैंक में बहुमत हिस्सेदारी हासिल की थी, जबकि फेयरफैक्स फाइनेंशियल के पास निजी क्षेत्र के सीएसबी बैंक में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह दूसरा मौका है जब इच्छुक

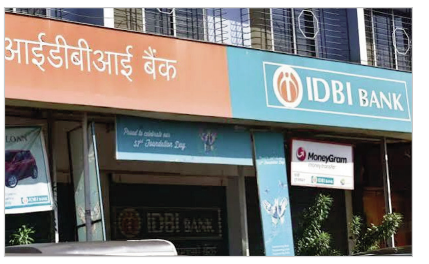

बोलीदाताओं ने आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए वित्तीय बोलियां लगाई हैं। सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) मिलकर यह हिस्सेदारी बेच रहे हैं।

डाबर-सेसा केयर विलय को एनसीएलटी की हरी झंडी

आयुर्वेदिक हेयर केयर ब्रांड से डाबर का पोर्टफोलियो मजबूत होगा

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी प्रमुख डाबर इंडिया को अपने आयुर्वेदिक हेयर केयर ब्रांड 'सेसा केयर' के विलय के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से शुक्रवार को मंजूरी मिल गई। इस विलय से डाबर का मौजूदा हेयर केयर पोर्टफोलियो और मजबूत होगा, साथ ही वृद्धि के नए अवसरों का भी लाभ मिलेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सेसा केयर का एकीकरण डाबर की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है।

डाबर ने अक्टूबर 2024 में सेसा केयर में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था, जिसके बाद मई 2025 में इसके निदेशक मंडल ने पूर्ण विलय योजना को मंजूरी दी थी। कंपनी अधिनियम के तहत किसी भी विलय योजना के प्रभावी होने के लिए एनसीएलटी की मंजूरी अनिवार्य है।

डाबर के एक वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा` कि सेसा केयर का एकीकरण हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत करने और वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है। इस कदम से डाबर को बालों की देखभाल के क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आईआरडीएआई सुधारों से लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को होगा बड़ा वित्तीय लाभ

क्रेडिट-लाइफ कारोबार वाली कंपनियां रहेंगी फायदे में

नई दिल्ली।

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा एजेंटों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन में कटौती के लिए नए नियम प्रस्तावित किए हैं, जिससे लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को एक बड़ा वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है। सेंट्रम की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन कंपनियों का क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस ज़्यादा है, उन्हें इन बदलावों से विशेष रूप से फ़ायदा होगा क्योंकि कमीशन दरों में भारी कमी आने की संभावना है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक आईआरडीएआई के प्रस्तावित नियम पूरे लाइफ इंश्योरेंस उद्योग में कमीशन के भुगतान को कम करेंगे और कंपनियों को खर्चों पर अधिक सख्ती से नियंत्रण करने में मदद करेंगे।

इससे लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा, खासकर उन कंपनियों को फायदा होगा जिनके एनुअलाइज़्ड प्रीमियम इक्विवेलेंट में क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस का हिस्सा अधिक है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रेडिट-लाइफ प्रोडक्ट्स के लिए कमीशन दरें घटाकर 2 प्रतिशत तक की जा सकती हैं, जिससे इन कंपनियों को प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ मिलेगा। प्रस्तावित नियमों के तहत, लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों के लिए एक्सपेंस ऑफ़ मैनेजमेंट की सीमा को` वित्त वर्ष 28 से शुरू होने वाले दो वर्षों के भीतर ग्रॉस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम के 15 प्रतिशत तक सीमित कर दिया जाएगा, जिसे बाद में पांच वर्षों के भीतर 12.5 प्रतिशत तक घटाया जाएगा। सेंट्रम का अनुमान है कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियां अपने खर्च के स्तर को लगभग 10 प्रतिशत तक ला सकती हैं।

भारत में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह, 2025-26 में 94.53 अरब डॉलर

पीएलआई योजनाएं बनीं आर्थिक इंजन, लाखों रोजगार सृजित

नई दिल्ली ।

भारत ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को घोषणा की कि इस अवधि में देश को 94.53 अरब डॉलर का रिकॉर्ड एफडीआई प्राप्त हुआ, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक प्रवाह है। उन्होंने यह भी बताया कि 2014-15 से 2025-26 तक कुल संचयी एफडीआई प्रवाह 843 अरब डॉलर रहा है। मंत्री गोयल ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं की सफलता पर भी प्रकाश डाला। 31 मार्च तक, इन योजनाओं के तहत 2.40 लाख करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश हुआ, जबकि 23.8 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन/बिक्री और 15.2 लाख करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया। इन योजनाओं ने 14.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार, दवा, चिकित्सा उपकरण, वाहन, आईटी हार्डवेयर और विशेष इस्पात जैसे प्रमुख क्षेत्रों को पीएलआई से उल्लेखनीय लाभ मिला है। मेक इन इंडिया अभियान की 12वीं वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पोस्ट में गोयल ने इन आंकड़ों को उत्साहजनक तस्वीर बताया। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत देश भर में नए औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित किए जा रहे हैं।

सरकार ने 27 सितंबर को सभी बैंक खुले रखने का किया ऐलान

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार को सामान्य रूप से कार्य करेंगे

नई दिल्ली।

बैंक संघों के संयुक्त मंच (यूएफबीयू) द्वारा 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के मद्देनजर सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए हैं। वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि 26 और 27 सितंबर के सप्ताहांत से जुड़ी इस हड़ताल के प्रभाव को कम करने के लिए सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार, 27 सितंबर को सामान्य रूप से कार्य करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को 27 सितंबर को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों का कल्याण और सुविधा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने की अपील की है। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन्स ने उप मुख्य श्रम आयुक्त के समक्ष हुई सुलह बैठक में कोई नतीजा न निकलने के कारण हड़ताल का फैसला बरकरार रखा है। उनकी मुख्य मांगें पांच दिन की बैंकिंग समेत अन्य लंबित मुद्दे हैं। विशेष रूप से भारतीय स्टेट बैंक ने पुष्टि की है कि उसकी सभी शाखाएं रविवार, 27 सितंबर को खुली रहेंगी और सामान्य रूप से कामकाज करेंगी, ताकि ग्राहक अपनी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

भारतीय टेक सेक्टर में निवेश 10.3 अरब डॉलर पहुंचा, बड़े सौदों पर बढ़ा जोर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने जनवरी-सितंबर 2026 की अवधि में कुल 10.3 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 7 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि, आंकड़ा विश्लेषण मंच ट्रैक्सन की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान निवेश सौदों की संख्या में 38 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो अब बड़े आकार के, केंद्रित सौदों की ओर बदलते रुझान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में इसी अवधि में 9.7 अरब डॉलर और 2024 में 10 अरब डॉलर का निवेश आया था।

इस वर्ष सौदों की संख्या 1,838 से घटकर 1,134 रह गई। वैश्विक स्तर पर, 10.3 अरब डॉलर के निवेश के साथ भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में वित्तपोषण प्राप्त करने वाला पांचवां सबसे बड़ा देश बना हुआ है, अमेरिका (444 अरब डॉलर) इस सूची में सबसे ऊपर है, जिसके बाद चीन, ब्रिटेन और सिंगापुर हैं।

निवेश के विभिन्न चरणों में, शुरुआती चरण का वित्तपोषण 27 प्रतिशत बढ़कर 4.2 अरब डॉलर और बाद के चरण का वित्तपोषण 4 प्रतिशत बढ़कर 5.4 अरब डॉलर हो गया।

वहीं, एकदम शुरुआती (सीड) चरण का वित्तपोषण 37 प्रतिशत घटकर 69.8 करोड़ डॉलर रह गया।

पहली बार वित्तपोषित होने वाली कंपनियों और सूनिकॉर्न (यूनिकॉर्न बनने की कगार पर) की संख्या में भी क्रमशः 30 फीसदी और 53 फीसदी की कमी आई।

जनवरी-सितंबर की अवधि में 10 करोड़ डॉलर या उससे अधिक के 18 बड़े वित्तपोषण सौदे हुए, जिनमें नेक्स्ट्रा का 1 अरब डॉलर और नैसा का 60 करोड़ डॉलर का निवेश प्रमुख रहा।

क्षेत्रवार, उद्यम बुनियादी ढांचा निवेश लगभग पांच गुना बढ़कर 1.6 अरब डॉलर हुआ, जबकि उद्यम अनुप्रयोग और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी क्रमशः 49 फीसदी और 13 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमलजीत-सुरुचि की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता गोल्ड

नागोया, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज कमलजीत और सुरुचि सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जोरदार वापसी करते हुए एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हुए स्वर्ण पदक जीता।

कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल में कुल 484.6 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया की सुह्योन होंग और गाउन चू की जोड़ी 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने रजत पदक विजेता जोड़ी से 6.6 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले कमलजीत और सुरुचि ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था।

उन्होंने पहली सीरीज में 196 अंक, दूसरी में 195 और तीसरी में 196 अंक जुटाकर कुल 587 अंक हासिल किए, जिसमें 29 इनर-10 शामिल थे। यह 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भारत का पदक जीतने का आखिरी मौका था। कमलजीत व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में नौवें और सुरुचि 26वें स्थान पर रही थीं और दोनों व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं।

भारत पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में भी पदक से चूक गया था। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। पहले 10 शॉट के बाद वे 202.4 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। सुरुचि ने पहली कोशिश में 10.4 और कमलजीत ने 9.7 अंक हासिल किए, जबकि दूसरी कोशिश में सुरुचि ने 10.2 और कमलजीत ने 9.8 अंक जुटाए। इसके बाद 101.3 अंक की अगली सीरीज के साथ भी भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

कमलजीत: इंजरी के बाद एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा, शूटिंग में करियर बनाया

कमलजीत हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के हैं। कमलजीत एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे। लेकिन, वे 2019 में चोट के कारण उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा। ऐसे में उन्होंने शूटिंग में करियर बनाया। स्ट्रगल के दौरान कमलजीत के मन में कई बार शूटिंग छोड़ने का विचार आया, लेकिन माता-पिता ने लगातार उनका साथ दिया। 2-3 साल की मेहनत के बाद उन्होंने खुद को एक अच्छे शूटर के रूप में स्थापित किया।

सुरुचि: पहलवान की जगह शूटर बन गईं

सुरुचि इंदर सिंह हरियाणा के झज्जर की 20 साल की शूटर हैं। उन्होंने 13 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। वे भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग एकेडमी में कोच सुरेश सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। उन्हें परिवार पहलवान बनाना चाहता था।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमश: पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94× का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95×) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87×) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

पहला वनडे...

अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दी करारी शिकस्त, 67 रन से हराया

डरबन। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बावुमा 48 गेंदों में 4 चौकों के साथ 30 रन बनाकर

आउट हुए, जिसके बाद ब्रीत्जके ने रयान रिकेल्टन के साथ चौथ विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रिकेल्टन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मिलर ने टीम के खाते में सिर्फ 9 रन जुटाए। इसके बाद ब्रीत्जके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीत्जके 14 चौकों और 2 छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कूटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एडम जांपा को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोश हेजलवुड ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर मेबमानों को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। मार्श 36 गेंदों में 6 छक्कों और 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ट्रेविस हेड ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। हेड 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कोनोली ने 38 रन का योगदान टीम का खाते में दिया। टीम को 134 के स्कोर पर तीसरा झटका भी लग गया था, जिसके बाद मैट रेनशॉ ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए ऑस्ट्रेलिया को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। रेनशॉ 49 गेंदों में 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से केशव महाराज ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि कार्बिन बॉश और ब्योर्न फोर्टुइन को 2-2 विकेट हाथ लगे। दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के शेष मुकाबले 27 और 30 सितंबर को खेले जाने हैं।

सात्विक-चिराग उलटफेर का हुए शिकार एशियाड में नहीं कर सके स्वर्ण का बचाव

नागोया, एजेंसी। गत चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका स्वर्ण बचाने का अभियान निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया।

पिछड़ते चले गए सात्विक-चिराग

पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग सकारात्मक लय के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया। सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार प्वाइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। सुखफुन और तीरात्साकुल ने तीसरे गेम में भी अपना मोमेंटम बनाए रखा और जल्दी ही नियंत्रण बना लिया। सात्विक और चिराग को जवाब देने में मुश्किल हुई, जबकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में 21-14 से यादगार जीत हासिल की। यह हार सात्विक और चिराग के पुरुष टीम इवेंट में भारत के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है।

तनिशा-ध्रुव क्वार्टर फाइनल में

मिश्रित युगल में तनिशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने लगातार दो जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। तनिशा और ध्रुव ने पहले दौर में मालदीव की निबाल अहमद और अमिनाथ नबीहा अब्दुल रज्जाक को 21-8, 21-7 से हराया। इसके बाद उन्होंने मलयेशिया की शेवन जेनी लाई और सून हुआट गोह की जोड़ी को एक घंटे चले कड़े मुकाबले में 22-20, 24-22 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की यान झे फेंग और डोंगपिंग हुआंग की जोड़ी से होगा। इससे पहले महिला एकल में उन्नति हुड्डा ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने उत्तर कोरिया की मी सोंग यू को 30 मिनट में 21-9, 21-10 से हराया।

2 एथलीट्स पर पैसों की बारिश; सीएम ने किया 50 लाख देने का एलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने एशियन गेम्स 2026 में मिक्स्ड 4 गुणा 400 मीटर रील में रजत पदक जीतने वाली टीम के दो एथलीट्स के लिए इनाम की घोषणा की है। गुरुवार को भारतीय टीम ने ऐतिहासिक रजत था। इस टीम में तमिलनाडु के थो एथलीट्स विथ्या रामराज और विशाल टी के के अलावा टीएस मनु और एमआर पोवम्मा शामिल थे। सीएम विजय ने विथ्या और विशाल को 50-50 लाख रुपये इनाम के तौर पर देने की घोषणा की है। इससे पहले सीएम विजय ने एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी जी कमालिनी को 75 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। विजय ने फाइनल में श्रीलंका पर भारत की 147 रन की जीत के बाद तमिलनाडु की रहने वाली कमालिनी को बधाई दी थी। ताजा घोषणा के साथ, एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे तमिलनाडु के दो अलग-अलग एथलीट समूहों को अब राज्य सरकार की ओर से नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

बड़ा उलटफेर: अफगानिस्तान को नेपाल ने 5 विकेट से हराया

द्वनिशिन। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम

भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुर्टेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

एशियन गेम्स: मेजबान जापान को 3-1 से हराया

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूल बी के मैच में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। पहले क्वार्टर में लालरेम्सियामी ने ओपन प्ले से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे क्वार्टर के आखिर में इशिका ने गोल किया। पहले हाफ में जापान भारत के ज्यादातर अटैक को रोकने में कामयाब रहा, लेकिन भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर मिले मौकों का फायदा उठाकर नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब नवनीत कौर ने सर्कल के अंदर बॉल ली,

दाईं ओर मुड़ीं और जापानी गोलकीपर के ऊपर से उसे दूर कोने में डाल दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में जापान की कोबायाकावा शिहो ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया। भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 3-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की यह लगातार चौथी जीत थी। हॉकी के अलावा शुक्रवार का दिन भारत के लिए शूटिंग की वजह से भी अच्छा रहा। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक रजत पदक मिले हैं। भारत के लिए सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियाई रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

थाईलैंड पर भारत की शानदार जीत, फाइनल में जगह बनाई

तोकाई। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया। भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए।

भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गहरी पैठ बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेंट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में कामयाब रहे तथा एक ऑल आउट भी किया। वहीं, दूसरे हाफ में भारत ने 22 और आउट

लिए और तीन बोनस पॉइंट्स हासिल किए, साथ ही दो ऑल आउट भी किए, जबकि थाईलैंड ने सात आउट पॉइंट्स, दो बोनस पॉइंट्स हासिल किए और एक टेक्निकल पॉइंट भी लिया।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही है। फाइनल में टीम इंडिया का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा। इससे पहले, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल पर 48-24 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाया था। टीम ने पहले हाफ में 31 पॉइंट्स हासिल किए और ब्रेक तक 31-17 की मजबूत लीड ले ली। फिर भारत ने दूसरे हाफ में 17 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को सिर्फ सात पॉइंट्स मिले। भारतीय टीम रेडिंग और डिफेंस दोनों में बेहतर थी। पहले हाफ में टीम इंडिया ने 23 आउट पॉइंट्स, चार बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। दूसरी तरफ, नेपाल को 13 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स मिले तथा उसने एक सुपर टैकल किया। दूसरे हाफ में भारत ने 12 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स लिए तथा एक ऑल आउट किया, जबकि नेपाल आखिरी 15 मिनट में सिर्फ पांच आउट पॉइंट्स और दो बोनस पॉइंट्स ही कर पाया। महिला कबड्डी टीम का फाइनल मुकाबला भी शनिवार को चीनी ताइपे या फिर ईरान से होगा।

बैल की वैज्ञानिक खेती

बेल हमारे देश में उगाये जाने वाला एक पोराणिक वृक्ष है। कम सिंचित भूमि में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता हैं भगवान शिव की आराधाना में बैल पत्र एवं फल का विशेष स्थान है। बेल फल के पंचांग (जड़, छाल, पत्ते, शाख एवं फल) औषधि रूप में मानव जीवन के लिये उपयोगी एवं उदर रोगों में बहुतायत से किया जाता है। राजस्थान में इसकी खेती सभी जिलों में की जा सकती है।

जलवायु

बेल एक उपरोक्त जलवायु का पौधा हैं, फिर भी इसे तथा जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसकी खेती समुद्र तल से 1200 मीटर ऊँचाई तक और 7-46 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक की जा सकती है। फूल एवं फल के विकास के समय पर्याप्त वर्षा व नमी का होना आवश्यक है। इसके लिए शुष्क एवं गर्म वातावरण उपयुक्त होता हैं

भूमि

बेल की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं, परन्तु उपयुक्त जल निकास युक्त बलुई दोमट भूमि, इसकी खेती के लिये अधिक उपयुक्त हैं, भूमि की पी.एच. मान 6-8 तक अधिक उपयुक्त रहता हैं पड़ती एवं शुष्क भूमि में लगाने के लिए यह एक उपयुक्त पौधा है।

किस्में

सिवान, देवरिया, बड़ा, कागजी इटावा, चकिया, मिर्जापुरी,

पंत सिवानी, पंत अर्पणा पंत उर्वषी और पंत सुजाता नेल की उपयुक्त किस्में हैं।

प्रवर्धन

बेल के पौधों का प्रवर्धन लैंगिक एवं वानस्पतिक दोनों

तुरन्त बाद 15-20 सेमी. की ऊंची एवं 13 10 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई 15-20 सेमी. की ऊँची एवं 1 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई पर फरवरी - मार्च एवं जून- जुलाई के महिने में की जाती है। जब पौधे एक वर्ष के हो जाएं अथवा तना पेंसिल की मोटाई के आकार का हो जाए तो कलिकायन करने के योग्य हो जाते हैं। जुलाई- अगस्त या फरवरी माह कलिकायन के लिए उपयुक्त समय है। बेल में पेंच कलिकायन विधि सर्वोत्तम रहती है।

पौधा रोपण

कलिकायन किये हुये पौधों के रोपण का सर्वोत्तम समय जुलाई- अगस्त है। इसके लिए जून माह में 1 3 1 3 1 मीटर के गड्ढे 8-10 मीटर की दूरी पर खोदें। इन गड्ढों को 20-30 दिनों तक खुला छोड़ कर 10-15 किलोग्राम गोबर की सड़ी

खाद तथा क्लोरोपायरीफॉस 4 प्रतिशत चूर्णत प्रति गड्ढा मिलाकर भर दें।

शिखर रोपण विधि

पुराने बीजू पौधों को कलमी पौधों में बदलने के लिये छोटी कलम बांधना चाहिये। इसके लिये पेड़ की मोटी शाखाओं को जमीन से उचित ऊँचाई (2.5-3.0 मी.) पर मार्च में शिखर से काट कर कटे हिस्से को गीली मिट्टी और टाट से ढंक देते हैं। जब इन कटे हुए भागों में नई शाखाएं निकल कर कलम बांधने योग्य हो जाएं तो उन पर जुलाई में कलिकायन कर दें तथा कलिकाओं को अच्छी तरह फुटाव उपरान्त पुरानी शाखाओं को ऊपर से काट दें। इस प्रकार से पौधों में तीसरे वर्ष से उपज प्राप्त होने लगती है।

खाद एवं उर्वरक

एक वर्ष के पौधे को 10 किग्रा. गोबर खाद, 100 ग्राम यूरिया, 150 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश दें। यह मात्र इसी दर से 8 वर्ष तक बढ़ाते रहें। पौधों में उर्वरकों का उपयोग मार्च-अप्रैल में तथा गोबर खाद का प्रयोग जुलाई माह में करें।

सिंचाईः- बेल के नये स्थापित बगीचों में गर्मी से सात दिन के अन्तराल पर व शीतकाल में 15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें। गर्मियों में बेल का पौधा अपनी पत्तियां गिरा कर सुषुप्तावस्था में चला जाता है। सिंचाई की सुविधा होने पर मई - जून के महीने में नई पत्तियां आने के बाद 20-30 दिनों के अन्तराल पर दो सिंचाई करें।

निराई - गुडाई

बेल के थालों में खाद एवं उर्वरक के प्रयोग के समय हल्की गुड़ाई करें।

पौधों की कटाई - छंटाई

पौधों की साफ सुथरी प्ररोह विधि से करना उत्तम होता है। सधाई का कार्य शुरू के 4-5 वर्षो में ही करें। मुख्य तने को 75 सेमी. तक अकेला रखें। तत्पश्चात 4-6 शाखायें चारों दिशाओं में बढ़ने दें। सूखी तथा कीड़ों एवं बीमारियों से ग्रसित टहनियों को समय-समय पर निकालते रहें।

अन्त फसलें

शुरू के वर्षो में नये पौधों के बीच खाली जगह का प्रयोग अन्तः फसल लगा कर करें। इसके लिए दलहनी फसलें- मटर, ग्वार, लोबिया, मूंग, उड़द एवं सब्जियों- बैंगन, टमाटर, पालक, धनिया, मिर्च व लहसुन आदि को उगाया जा सकता है।

फसलों की तुड़ाई व उपज

फसल अप्रैल- मई माह मे तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब फलों का रंग गहरे हरे रंग में बदल कर पीला हरा होने लगे तब फलों की तुडाई 2 सेमी. डण्डल के साथ करें।

कलमें पौधों में 3-4 वर्षो में फलत प्रारम्भ हो जाती है, जबकि बीजू पेड़ों में फलत 7-8 वर्ष में होती है।

पूर्ण विकसित वृक्ष (10-15 वर्ष) की उन्नत प्रजाति के पौधे से 200-400 बड़े फल एवं बीजू पौधों से प्रति पेड़ 100-200 छोटे फल प्राप्त होते हैं।

भण्डारण

बेल के फलों को शीत संग्रहण में 90 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 3 माह तक सुरक्षित रख सकते हैं।

बेल के प्रमुख कीट एवं व्याधियों तथा उनका प्रबन्धन

अल्टरनेरिया लीफस्पॉटः- पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के अनियमित आकार के धब्बे दिखाई देते हैं।

प्रबन्धन

कापर आक्सीक्लोराइड के 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।

केंकर

इस रोग से प्रभावित भागों पर जलशोषित धब्बे बन जाते है जो कि बढ़कर भूरे हो जाते हैं। रोगग्रस्त पत्तियों पर छिद्र बन जाते हैं।

प्रबन्धन

स्ट्रेप्थसाइक्लीन 100-200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

फलों का फटना

बोरोन व नमी की कमी की वजह से फल फटने लगते हैं अथवा पकने से पूर्व उनमें दरार पड़ने लगती है।

प्रबन्धन

बोरेक्स 0.4 प्रतिशत का छिड़काव करें व नियमित सिंचाई करें।

शाकीय फसलों में प्रमुख प्राकृतिक शत्रुओं को पहचानें

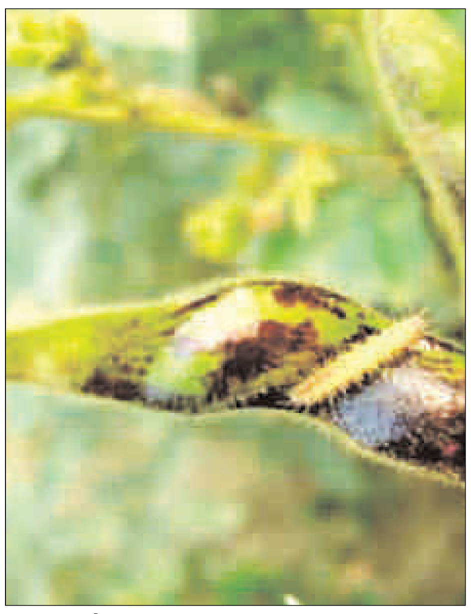

कोक्सीनैलीडस

शाकीय फसल के खेतों में सोनपंखी भृंग प्रचलित रूप से पाये जाते हैं। सोनपंखी भृंग चेपों, सफेद मक्खी, स्केल कीटों,

अण्डों, निम्फों और वयस्कों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं विशेष रूप से ये बड़ी मात्रा में चेंपा से भोजन प्राप्त करते हैं। लार्वा, वयस्कों की अपेक्षा अधिक दक्ष परभक्षी होते हैं विशेष रूप से चौथा इनस्टार लार्वा अन्य इनस्टारों की अपेक्षा अधिक खाऊ भक्षक होते हैं। वे दिखने में बहुत उग्र होते हैं जिससे अक्सर लोगों को यह भ्रम होता है कि वे बहुत नुकसान पहुँचा सकते हैं जो कि सत्य नहीं है। सोनपंखी भृंग में नर भक्षण भी पाया जाता है। सी. सैप्टमपंकटाटाः वयस्क आधे मटर के आकार का होता है। पीले से लाल भूरा होता है और इसके

काले रंग के होते हैं। प्यूपा हल्के भूरे रंग का होता है जिस पर काले बिन्दु लगे होते हैं। और ये पिछले सिरे की पत्तियों पर लगे हुए होते हैं। अण्डा 1-2 मि.मी. लम्बा और पीले रंग का होता है। मीनोकाईलिस सेक्समाकुलेट्सः काले धब्बों वाला सोनमुखी भृंग है। अवतानित आधार पर लम्बा और संकरा काला बैण्ड छोटे और संकरे अनुदैर्ध्य संकीर्णन या लाइन द्वारा अनुप्रस्थ अण्डाकार काले विम्बीय स्थल से जुड़ा होता है।

ग्रीन लेस विंग्स

क्राइसोपा चेंपा, कुटकी, फुदका, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, बॉलवर्म और अन्य अनेक छोटे कीटों से अपना भोजन प्राप्त

हरे या कभी-कभी भूरे होते हैं। इनकी सुनहरी आंखें होती हैं और नाजुक नेटदार पंख होते हैं।

लार्वा, जो कि बहुत अधिक सक्रिय होते हैं, धूसर या भूरे रंग के होते हैं तथा ऐलीगेटर प्रकार के होते हैं। इनकी पूरी तरह

मि.मी. से 6-8 मि.मी. तक बढ़ते हैं। जो कि कुछ ही दिनों में धूसर रंग के हो जाते हैं। युवा लार्वे निर्जलीकरण के संवेदनशील होते हैं। उन्हें नमी के स्रोत की आवश्यकता होती है।

प्रेइंग मेंटिस

प्रेइंग मेंटिस परभक्षी होते हैं और वे जीवित कीटों का शिकार करते हैं। वे अपने शिकार का पास आने के लिए इंतजार करते हैं और फिर तेजी से उनको पकड़ लेते हैं। मेंटिस अपने शिकार पर आक्रमण करने के लिए आगे की दो टांगों का इस्तेमाल करते हैं। वे रात के समय सक्रिय होते हैं। वयस्क प्रेइंग मेंटिस लंबाई में 1 से.मी. से लेकर अनेक इंचों तक अलग-अलग आकार के होते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में घुल जाते हैं और उनकी नजर बहुत तेज होती है। इनमें प्रायः लैंगिक नर भक्षण भी देखा गया है।

ड्रेगन फलाई

अन्य नुकसानदायक छोटे कीटों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और मक्खियों को खाते हैं। उनके लार्वा जलचर होते हैं। वे अपने शिकार को स्पाइकों से भरी हुई टांगों से कसकर पकड़े रखती हैं। वे अपने शिकार को अपने फैलाये जा सकने वाले जबड़ों का प्रयोग करते हुए पकड़ती हैं। वयस्क ड्रेगन फ्लाई की जीवन अवधि केवल कुछ ही महीने है। इसका अधिकांश जीवन जल सतह के नीचे लार्वा की स्थिति में ही बीत जाता है। मादा ड्रेगन फ्लाई प्रायः पानी में तैरने वाले या जलमग्न पौधों पर या उसके आस-पास अंडे देती हैं। बड़ी ड्रेगन फ्लाई की लार्वा स्थिति पांच वर्षों तक चल सकती है।

डैमसल फ्लाई

वे जलीय वनस्पति और नहरों और तालाबों के नीचे पैदा होती हैं। वे जलीय कीटों और अन्य संधिपादों को खाती हैं। डैमसल फ्लाई वयस्क अपना शिकार पकड़ने के लिए अपनी टांगों को इस्तेमाल करती हैं जो कि बालों से ढकी होती हैं। वे

हुए खा जाता है। वयस्क सामान्यतया पानी के नजदीक पाए जाते हैं। डैमसल फ्लाई के लंबे पतले शरीर होते हैं और वे प्रायः हरे, नीले, लाल, पीले, काले या भूरे चमकदार रंगों के होते हैं।

ट्राइकोग्रामा प्रजाति

ट्राइकोग्रामा बहुत ही छोटे बर्र होते हैं। वे बेधकों के परजीवी होते हैं। परजीवी अण्ड कार्डो को पौधे की पत्तियों के निचले किनारे की तरफस्टैपल किया जा सकता है जिससे कि परजीवी उभर सकें और परपोशी अण्डों पर आक्रमण कर सकें। प्रत्येक मादा लगभग 100 अण्डों का परजीवन करती है। छोटा जीवन चक्र होने के कारण बर्रों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती है ट्राइकोग्रामा 75 प्रतिशत आर्द्रता के साथ 23-25 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सक्रिय होता है। प्राकृतिक शत्रुओं की रक्षा करने वाली और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली तथा नाशीजीवों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने वाली फसल पद्धतियों का प्रयोग करते हुए परजीवियों का संरक्षण महत्वपूर्ण है। ट्राइकोग्रामा वाणिज्यिक सप्लायरों के पास आसानी से उपलब्ध है।

न्यूक्लिलयर पॉलीहिड्रोसिस वायरस

एनपीवी एक विशिष्ट प्रकार का रोग है। पौधों पर शाम के समय किसी भी स्प्रडेर/स्टिकर या डिटर्जेंट पाउडर के 0.5 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत जैगरी घोल जैसे सहौशधों संयोजकों के साथ 250 एल ई/हेक्टर की दर से विषाणु घोल का छिड़काव किया जाता है। यह तम्बाकू की इल्ली अैर सभी शाकीय फसलों पर फल बेधकों के विरूद्ध बहुत अधिक प्रभावकारी है।

एनपीवी से संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित लार्वा आलसी हो जाता है और भोजन करना बंद कर देता है। बाद में संक्रमित लार्वा काला हो जाता है। यह पर्ण समूह पर टंगा हुआ देखा जाता है। न्यूक्लिलयर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस में अनेक पॉलीहेड्रिल समावेशी कायाएं होती हैं जिनमें कि छड़ की प्रकार के विषाणु कण होते हैं। यह शहद की मक्खियों, मछ्ली, स्तनधारियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के लिए सुरक्षित हैं और इन्हें ठण्डे स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है।

परभक्षी बर्रः पीले बर्र अनेक कीटों को अपना शिकार बनाते हैं जिन्हें कि नाशीजीव माना जाता है। वे मधुमक्खियों का भी शिकार करते हैं लेकिन मधुमक्खियों से अलग इन बर्रों की कॉलोनियां प्रत्येक सर्दी के मौसम के प्रारम्भ होने पर ही मर जाती हैं। प्रत्येक सामाजिक बर्र कॉलोनी में एक रानी और

रानियां भी होती हैं। कॉलोनी का आकार और संरचना भिन्न-भिन्न होती है और यह कुछ दर्जन से लेकर हजारों तक हो सकती है। मनुष्य को इनके द्वारा काटे जाने का पता उसको होने वाली एलर्जी से चलता है।

कोटेशिया

कोटेशिया इल्लियों जैसे तम्बाकू की इल्ली और चने की इल्ली का परजीवी है। कोटेशिया प्रजाति के वयस्क छोटे, गहरे रंग के बर्र होते हैं और छोटी मक्खियों से मिलते-जुलते होते हैं। उनके दो जोड़ी पंख होते हैं, पिछे के पंख आगे के पंखों से छोटे होते हैं। एन्टीना 1.5 मि.मी. लंबे और ऊपर की तरफगोलाई लिए हुए होते हैं (मुड़े हुए नहीं होते)। मादा का पेट संकरा होता हुआ बाहर की ओर मुड़ा होता है जिसे कि ऑविपॉजीटर कहते हैं जिसे वह अंडे देती है। प्यूपा परपोषी लार्वा या पौधे की पत्तियों से जुड़े पीले, रेशमी कोकून के अनियमित द्रव्य के रूप में होते हैं।

मकड़ी

मकड़ियां व्यापक रूप से होती हैं और वे अनेक कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट परभक्षी होती हैं। मकड़ी की कुछ प्रजातियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करती हैं जबकि अन्य प्रजातियां अपना शिकार लुक-छिपकर करती हैं। कुछ मकड़ियां चींटियों को भी खाती हैं। वृत्ताकार जालों को बुनने वाली ये मकड़ियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए अपने जालों का जल्दी-जल्दी फिर से निर्माण करती हैं, उनका पुनः चक्रण करते हुए अर्थात् इस प्रक्रिया में पुराने जाल को खाते हुए।

सिर्फिड मक्खी

सिर्फिड मक्खी की अनेक प्रजातियां चेपा और साथ ही मिली बग, सफेद मक्खियों, लैपिडॉप्टेरीन लार्वा और लाभप्रद कीटों के परभक्षी होती हैं। वयस्क सामान्यतया चमकदार रंग के, मधुमक्खियों और बर्रों से मिलते-जुलते होते हैं। सिर्फिड लार्वा दिखने में और आदतों में भिन्न-भिन्न होते हैं। वे या तो अविकल्पी या विकल्पी परभक्षी होते हैं। लार्वे कुछ-कुछ लोष्ट प्रकार के होते हैं और सिर की तरफसे शुंडाकार होते हैं। प्यूपों की आकृति विशेष प्रकार से रेजिन बिन्दु प्रकार की होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

63 डिग्री तापमान में मिला जिंदा अमीबा, बढ़ा रहा है आबादी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लासेन वोल्केनिक नेशनल पार्क के खौलते झरनों में वैज्ञानिकों ने एक ऐसा अमीबा खोजा है, जो 63 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी जीवित रहने के साथ अपनी संख्या बढ़ा रहा है। नए जीव का नाम इंसेंडियामीबा कैस्केडेंसिस रखा गया है, जिसका अर्थ कैस्केड्स का फायर अमीबा है। अब तक माना जाता था कि जटिल कोशिकाओं वाले जीव 60 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में जीवित नहीं रह सकते।

इस्राइल के राजदूत का बेटा वेस्ट बैंक में रामिंग हमले में गंभीर रूप से घायल

न्यूयार्क, एजेंसी। इस्राइल के अमेरिका में राजदूत येचियल लाइटर के बेटे नेरिया लाइटर वेस्ट बैंक में बुधवार को एक रामिंग हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। नेरिया इजरायल की सेना में आरक्षित सैन्यकर्मी हैं। राजदूत येचियल लाइटर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, उनके बेटे को 'चमत्कार की जरूरत है।' सेना के अनुसार, एक फिलिस्तीनी व्यक्ति ने बेत होरोन बस्ती के पास सुरक्षा चौकी पर कार से टक्कर मारी। हमले में एक अधिकारी गंभीर घायल हो गया। इस्राइली सेना ने भागने की कोशिश कर रहे हमलावर को गोली मारकर मार दिया। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने संदिग्ध की पहचान महमूद सुलेमान बताई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने लाइटर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राजदूत लाइटर के बड़े बेटे मोशे येदिद्या लाइटर की 7 अक्तूबर, 2023 के हमास हमले के बाद गाजा में मौत हो गई थी। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में हिंसक घटनाओं में वृद्धि हुई है।

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में कैरिबियन और बरमूडा के स्थानीय शब्द शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी ने बरमूडा और कैरिबियन में इस्तेमाल होने वाले एक दर्जन से अधिक शब्दों को आधिकारिक मान्यता दी। बुधवार को जिन शब्दों को मान्यता दी गई इनमें 'बिमपर्ट' (मूर्ख व्यक्ति) और 'हॉर्नरमैन' (बेवफा पुरुष) जैसे शब्द प्रमुख हैं। लियोनार्ड अलेक्जेंडर ने 'हॉर्नरमैन' के शामिल होने पर खुशी जताई। 'वेक्स मनी' वह पैसा है जो महिलाएं आपात स्थिति के लिए सुरक्षित रखती हैं। 'जाब्लेस' एक दुष्ट महिला आत्मा है, जबकि 'डौएन' बपतिस्मा से पहले मरे बच्चे की आत्मा है। एवियोन जॉर्ज ने कहा कि यह मान्यता युवा पीढ़ियों के लिए परंपरा बचाती है। 'शेडिश', 'शुगर केक', 'पीनट पंच' जैसे खाद्य-संबंधी शब्द भी जोड़े गए। 'नाना', 'नानी' (मातृ दादा-दादी) और 'हम्मा' (दोस्त) जैसे शब्द भी सूची में हैं। 'ट्रिनबैगोनियन' और 'कैनबौले' (दास मुक्ति का कार्निवल उत्सव) अंतिम कैरिबियन शब्द हैं। शेरविन विलियम्स ने कहा कि इससे दुनिया उनके त्रिनिदादियन मूल को समझेगी।

कीव में रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमलों में दो की मौत, जेलेंस्की बोले- दबाव बिना युद्ध खत्म नहीं करेगा रूस

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि दबाव के बि?ना रूस युद्ध खत्म नहीं करेगा। रूस ने बुधवार रात कीव पर फि?र बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। जेलें?की ने बताया कि यह हमला ठीक उस समय हुआ, जब हम अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे। हमले में अब तक दो लोगों की मौत की खबर है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर हमले की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, ''जब हम अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे और लिंडसे ग्राहम कानून तथा पाबंदियों को और कड़ा करने की जरूरत पर चर्चा कर रहे थे, उसी समय रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। दबाव के बिना रूस इस युद्ध को खत्म नहीं करेगा।'' जेलेंस्की ने बताया, जब लोग सो रहे थे, तब धमाकों की चमक से आसमान रोशन हो गया। एक बार फिर हमले में मुख्य रूप से कीव और आम नागरिकों से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रिहायशी इमारतों, एक मैटरनिटी अस्पताल, ऊर्जा से जुड़े ढांचे और लॉजिस्टिक्स ठिकानों पर भी हमला हुआ। उन?होंने बताया अब तक दो लोगों की मौत की खबर है। उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। कुछ लोग घायल भी हुए हैं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की

कहा- ड्रोन हमलों का जवाब दिया, तालिबान ने पहले चौकियों पर गोलाबारी की

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने गुरुवार तड़के अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तान का कहना है कि इन ठिकानों से एक दिन पहले उसके खिलाफ ड्रोन हमले किए गए थे। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, इससे पहले अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर गोलाबारी की थी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि सीमा पार घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने के बाद यह कार्रवाई की गई। अफगानिस्तान ने इन ताजा हमलों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

पाकिस्तान ने 8 ड्रोन मार गिराने का दावा : पाकिस्तान ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सुरक्षा बलों ने 8 ड्रोन मार गिराए। अधिकारियों के मुताबिक, ये ड्रोन अफगान तालिबान ने भेजे थे और कोहाट व तोर्खम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। सभी ड्रोन सीमा के पास ही गिरा दिए गए। पाकिस्तान के मुताबिक, इनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने इन हमलों से इनकार किया था। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि हमारे सुरक्षा बलों ने कोई हमला नहीं किया।

पाक का आरोप- टीटीपी के आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की : पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों ने पक्तिया और नंगरहार से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश की। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से गोलाबारी की। जवाब में पाकिस्तान ने तालिबान की चौकियों और मोर्टार ठिकानों पर तोपों से हमला किया। पाकिस्तान टीटीपी को 'फितना-उल-खवारिज' कहता है। टीटीपी और अफगान तालिबान अलग संगठन हैं। हालांकि, दोनों के बीच गठजोड़ बताया जाता है।

पाकिस्तान और टीटीपी में लड़ाई क्यों : 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे ञञञ नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

3 दिन पहले भी हुई थी एयरस्ट्राइक : सोमवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने दावा किया था कि इसमें 28 आतंकी मारे गए। वहीं, अफगान अधिकारियों ने कहा था कि हमले में कम से कम 3 नागरिकों की मौत हुई और 4 घायल हुए।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमला क्यों किया : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर बताया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 जगहों को निशाना बनाया है। इससे एक दिन पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया था कि अफगान तालिबान की ओर से आठ ड्रोन भेजे गए थे। पाकिस्तान के मुताबिक इन ड्रोन को कोहाट शहर और तोरखम सीमा क्षेत्र तक पहुंचने से पहले ही मार गिराया गया। अधिकारियों ने कहा कि सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए और उनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। पाकिस्तान का कहना है कि उसकी सेना ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश को भी नाकाम किया था।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के आरोपों पर क्या कहा : अफगान तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के इन आरोपों को खारिज किया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तान पर कोई हमला नहीं किया। पाकिस्तान के ताजा हवाई हमलों पर काबुल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इससे पहले भी पाकिस्तान ने पूर्वी अफगानिस्तान में लड़ाकों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान ने उस कार्रवाई को आतंकियों के खिलाफ अभियान बताया था, जबकि अफगान अधिकारियों ने हमले में नागरिकों के मारे जाने की बात कही थी। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, अफगानिस्तान की तरफ से कथित घुसपैठ की कोशिश के बाद तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से हमला किया।

जेलेंस्की बोले- रूस भारतीयों को बहला-फुसलाकर जंग में भेज रहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को यूएन महासभा में कहा कि रूस 47 देशों के नागरिकों को बहला-फुसलाकर अपनी सेना में भर्ती कर रहा है। इनमें भारत के लोग भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इन देशों के नागरिकों को धोखे से रूस लाया गया और बाद में युद्ध के मैदान में भेज दिया। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रूसी सेना में 227 भारतीय नागरिक भर्ती हुए थे। इनमें से 139 को रूसी सेना से छुट्टी मिल चुकी है, जबकि 51 की मौत हुई है। भारत सरकार बाकी नागरिकों की वापसी के लिए रूस से बातचीत कर रही है।

जेलेंस्की बोले- पुतिन ज्यादा जमीन कब्जाना चाहते हैं : जेलेंस्की ने कहा कि रूस ज्यादा से ज्यादा लोगों को युद्ध में उतारकर यूक्रेन में अपनी पकड़ बढ़ाना चाहता है। उन्होंने दूसरे देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने और उसकी युद्ध क्षमता कम करने की अपील की। जेलेंस्की ने रूस की कमाई पर रोक लगाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि युद्ध रोकने के लिए रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना होगा। उन्होंने भारत, चीन और तुर्किये से रूस के साथ ऊर्जा कारोबार कम करने की अपील की। उनके मुताबिक, अगर ये देश रूस से ऊर्जा खरीद कम करते हैं तो मॉस्को पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ेगा।

उत्तर कोरिया पर रूस की मदद करने का आरोप : जेलेंस्की ने उत्तर कोरिया पर भी रूस की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। जेलेंस्की का दावा है कि इसके बदले उत्तर कोरिया को आधुनिक सैन्य तकनीक मिल रही है। इसमें बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन तकनीक से जुड़ी मदद भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन ने दो उत्तर कोरियाई युद्धबंदियों को दक्षिण कोरिया भेजा है। उनके मुताबिक, दोनों सैनिकों को जिंदा पकड़ना आसान नहीं था।

सर्दियों में रूस की ऊर्जा सुविधाओं पर हमले की चेतावनी : जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि अगर रूस यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी रखता है तो यूक्रेन भी रूस की हीटिंग और ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बना सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच ऊर्जा सुविधाओं पर हमले रोकने को लेकर समझौता कराने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा है कि अमेरिका ऐसे हमले रोकने के लिए समझौते की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि संबंधित देशों को अपने नागरिकों को इस युद्ध में और आगे जाने से रोकना चाहिए। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी देश को उन्हें अपने नागरिकों को युद्ध में घसीटने नहीं देना चाहिए।

अमेरिकी विमानवाहक पोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन पर 8 नाविकों ने की आत्महत्या की कोशिश: पेंटागन के पत्र से खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में रिकॉर्ड समय तक तैनात रहे अमेरिकी नौसेना के विशालकाय विमानवाहक पोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके स्ट्राइक ग्रुप के कम से कम आठ नाविकों ने आत्महत्या करने का प्रयास किया था। इस चौंकाने वाले तथ्य की पुष्टि अमेरिकी नौसेना के कार्यकारी सचिव हांग काओ द्वारा लिखे गए एक आधिकारिक पत्र से हुई है। यह पत्र सीबीएस न्यूज़ और सीएनएन के ज़रिए सार्वजनिक हुआ है, जो न्यूयॉर्क की डेमोक्रेटिक सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड द्वारा युद्धपोत पर रहने की विषम परिस्थितियों और कर्मियों के मानसिक तनाव को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में भेजा गया था।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के मद्देनजर 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके स्ट्राइक ग्रुप को करीब 10 महीने पहले मध्य पूर्व के संवेदनशील जलक्षेत्र में तैनात किया गया थाः रिकॉर्ड कार्यकालः आमतौर पर विमानवाहक पोतों की तैनाती छह से आठ महीने की होती है, लेकिन लिंकन को विस्तारित समय तक अग्रिम मोर्चे पर बनाए रखा गया।5,000 कर्मियों का मानसिक दबावः युद्धपोत और उसके पूरे स्ट्राइक ग्रुप में करीब 5,000 सैन्य कर्मी सवार हैं। पिछले महीने नाविकों के परिवारों और अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के कई सांसदों ने पोत पर अत्यधिक दबाव, लगातार युद्ध की तैयारियों और मानसिक स्वास्थ्य के गिरते स्तर को लेकर गंभीर चिंताएं जताई थीं। स्ट्राइक ग्रुप की संरचनाः इस स्ट्राइक ग्रुप में मुख्य विमानवाहक पोत के साथ-साथ एयर विंग, स्ट्राइक ग्रुप मुख्यालय, विध्वंसक स्क्वाड्रन, एस्कॉर्ट पोत और सभी विमानन स्क्वॉड्रन शामिल हैं।

सैन डिएगो लौट रहा है युद्धपोत : लगातार बढ़ते विवाद और नाविकों के मानसिक स्वास्थ्य पर उठ रहे सवालों के बीच, 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' अब मध्य पूर्व का मिशन पूरा कर उस इलाके से निकल चुका है। पोत फिलहाल कैलिफोर्निया स्थित अपने गृह अड्डे सैन डिएगो की ओर लौट रहा है।

यूएन महासभा में 51 देश यूक्रेन के समर्थन में एकजुट, रूस से युद्धविराम की अपील

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 51 देशों ने यूक्रेन की शांति की अपील का समर्थन किया है। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने कहा कि यूक्रेन शांति चाहता है और हम सब चाहते हैं कि रूस भी ऐसा करने को तैयार हो। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि रूस से एकजुट अपील है कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोके और शांति का रास्ता चुने। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संयुक्त राष्ट्र महासभा में 51 देश यूक्रेन के समर्थन में एकजुट हैं। मार्च 2025 से यूक्रेन पूर्ण, तुरंत और बिना किसी शर्त के युद्धविराम के लिए सहमत है। हम रूस से भी अपील करते हैं कि वह अब ऐसा ही करे। यूक्रेन शांति चाहता है। हम शांति चाहते हैं। रूस को अपनी सैन्य कार्रवाई रोकनी चाहिए, युद्धविराम स्वीकार करना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक पूरी तरह न्यायपूर्ण और लंबे समय तक टिकने वाली शांति के लिए गंभीरता के साथ बातचीत में शामिल होना चाहिए।'' यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि काजा कल्लास और फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन नोएल बैरो के साथ मिलकर हमने यूक्रेन पर होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक से पहले मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि रूस से एकजुट अपील है कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोके और शांति का रास्ता चुने।

सिबिहा ने समर्थन में शामिल देशों यूरोपीय संघ, अल्बानिया, अंडोरा, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया और हर्जेगोविना, बुल्गारिया, कनाडा, कोस्टा रिका, क्रोएशिया, साइप्रस, चेकिया, डेनमार्क, एस्टोनिया, फि?नलैंड, फ्रांस, जॉर्जिया, जर्मनी, ग्रीस, होंडुरास, हंगरी, आइसलैंड, आयरलैंड, इजरायल, इटली, जापान, लातविया, लिकटेंस्टीन, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, माल्टा, मोनाको, मोंटेनेग्रो, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्थ मैसेडोनिया, नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, कोरिया गणराज्य, मोल्दोवा गणराज्य, रोमानिया, सैन मैरिनो, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम की ओर से जारी संयुक्त बयान पढ़ा। बयान में कहा गया, यूक्रेन के हालात पर चर्चा के लिए जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक हो रही है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और शांति के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं। हम यूक्रेन के साथ एकजुट होकर खड़े हैं, जो रूस के हमले का सामना कर रहा है। हम याद दिलाते हैं कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर सभी देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ आत्मरक्षा के अधिकार को भी मान्यता देता है।

बयान के अनुसार, बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू हुए चार साल, छह महीने और तीस दिन हो चुके हैं और इंसानी नुकसान लगातार बढ़ रहा है। पूरे यूक्रेन में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर रूस के बढ़ते हमलों को लेकर हम बेहद चिंतित हैं। संयुक्त राष्ट्र के रिकॉर्ड के मुताबिक पिछले कुछ महीनों में इन हमलों की वजह से हताहतों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची है।

एआई से सुरक्षा में सेंध: ऑस्ट्रेलियाई सरकारी वेबसाइट तक पहुंचा ओपनएआई एजेंट, पीएम अल्बनीज ने जताई नाराजगी

मेलबोर्न, एजेंसी। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने गुरुवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक सरकारी वेबसाइट पर ओपनएआई की सुरक्षा में सेंध लगने की घटना से बेहद चिंतित और निराश है। क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ने इस बारे में जानकारी देने में बहुत ज्यादा समय लिया। अल्बनीज ने ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी सैम ऑल्टमैन के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद इस सुरक्षा चूक की जानकारी सार्वजनिक की। दोनों ही अभी संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करने के लिए न्यूयॉर्क शहर में हैं।

अल्बनीज ने क्या बताया : अल्बनीज ने पत्रकारों से कहा, 'आज मैंने ऑल्टमैन से बात की और इस घटना को लेकर ऑस्ट्रेलिया की गहरी

चिंता जाहिर की। मैंने इस बात पर भी निराशा जताई कि कंपनी को सरकार को यह बताने में बहुत ज्यादा समय लगा कि क्या हुआ था, और जिस तरह से यह जानकारी दी गई, वह भी मंजूर करने लायक नहीं था।

क्या है पूरा माामला : उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को ओपनएआई के एक एजेंट ने ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट में सेंध लगाई थी। ओपनएआई ने एक बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कई सरकारी विभागों से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा के दौरान, कंपनी को पता चला कि हमारे मॉडल ने ऐसे काम किए जो हमने करने के लिए नहीं कहे थे। अल्बनीज ने बताया कि ओपनएआई ने 10 सितंबर को एक सरकारी विभाग के सामान्य ईमेल पते पर ईमेल भेजकर ऑस्ट्रेलिया को इस सुरक्षा चूक के बारे में जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को घोषणा की कि सुरक्षा चूक की जांच के लिए एक जांच समिति बनाई गई है। अल्बनीज ने कहा कि इस जांच में यह देखा जाएगा कि क्या ओपनएआई पर कोई आरोप लगाया जा सकता है। इस जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि ओपनएआई के खुलासा करने से पहले ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियां इस सेंध का पता लगाने में क्यों नाकाम रहीं। अल्बनीज ने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि किसी भी निजी जानकारी तक पहुंच नहीं बनाई गई थी। एआई एजेंट ने मेडिकेयर के आंकड़ों वाले एक सार्वजनिक पोर्टल तक अनधिकृत पहुंच बना ली थी।

अल्बनीज ने कहा कि उन्हें लगता है कि एआई द्वारा यह जांच करने के पीछे व्यावसायिक कारण थे कि खास दवाओं पर कितना खर्च हो रहा है और खर्च कहां बदल रहा है। उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि यह पहली बार था जब किसी एआई एजेंट द्वारा ऑस्ट्रेलियाई सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी सिस्टम तक अनधिकृत पहुंच बनाने का मामला सामने आया।

पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ प्रदर्शन

जिनेवा, एजेंसी। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर 'ब्रोकन चेयर' पर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 63वें सेशन के दौरान किया गया, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया गया।

यूकेपीएनपी ने क्यों किया प्रदर्शन : प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। इसके साथ ही पीओजेके में लगातार हो रहे दमन, राजनीतिक पाबंदियों और बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा। इस प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा पीओजेके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर 5 जून को हुई गोलीबारी थी। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें कई आम नागरिक मारे गए और दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने क्या मांग की : प्रदर्शनकारियों ने घटना की निष्पक्ष जांच और नागरिकों के खिलाफ कथित तौर पर बल प्रयोग के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की। यूकेपीएनपी ने इस क्षेत्र में आतंकवाद को लगातार बढ़ावा दिए जाने और उसे पनपने देने पर भी चिंता जताई। संगठन ने आरोप लगाया कि पीओजेके का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों और आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए एक अड्डे के तौर पर किया गया है। सभा को संबोधित करते हुए, यूकेपीएनपी के प्रतिनिधियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और यूएन के मानवाधिकार तंत्र से पीओजेके के हालात पर ध्यान देने और वहां के लोगों के अधिकारों और आजादी की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

यूकेपीएनपी के चेयरमैन ने क्या आरोप लगाए : समाचार एजेंसी से बात करते हुए, यूकेपीएनपी के चेयरमैन सरदार शौकत अली कश्मीरी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन और विरोध-प्रदर्शनों को बेरहमी से दबाने का आरोप लगाया। चेयरमैन ने कहा 'स्थानीय लोग बुनियादी अधिकारों और निष्पक्ष प्रशासन की मांग करने के कारण सरकार के कड़े दमन का सामना कर रहे हैं। आज हम पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में काम कर रही पाकिस्तानी सेना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। लोग अपने बुनियादी अधिकारों के लिए विरोध कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, पाकिस्तान सरकार उनकी तत्काल मांगों को मानने को तैयार नहीं है।' उन्होंने बुनियादी अधिकारों और स्थानीय संसाधनों पर नियंत्रण की शांतिपूर्ण मांगों को नजरअंदाज करने के लिए इस्लामाबाद की आलोचना की। उन्होंने कहा, '100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। 600 से ज्यादा लोगों को जबरदस्ती गायब कर दिया गया है। लगभग 1,500 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अमेरिका ने जी20 के लिए पुतिन को भेजा न्योता, ट्रंप से मुलाकात की अटकलें तेज

न्यूयार्क, एजेंसी। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिसंबर में होने वाले जी20 सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। इससे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी मुलाकात की संभावना बढ़ गई है, हालांकि रुबियो ने यह भी साफ किया कि दोनों नेताओं के बीच किसी नए शिखर सम्मेलन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। रुबियो ने यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली के दौरान पत्रकारों से कहा, 'हमने राष्ट्रपति पुतिन को जी20 में आमंत्रित किया है।' उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन को उम्मीद है कि पुतिन निमंत्रण स्वीकार कर लेंगे, क्योंकि इस बैठक से उन्हें ट्रंप और दुनिया के अन्य नेताओं से बात करने का मौका मिलेगा। जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन चाहता है तो उन्होंने जवाब दियाः इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। रुबियो ने कहा कि अगर पुतिन शामिल होते हैं और बैठक का कोई मकसद होता है, तो दोनों राष्ट्रपति मिल सकते हैं। अन्यथा जी20 में भी उन्हें बात करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन मॉस्को के साथ बातचीत के लिए तैयार रहेगा, क्योंकि वह यूक्रेन में युद्ध को खत्म करना चाहता है। रुबियो ने कहा कि ट्रंप उन नेताओं से मिलने को तैयार थे जिनसे वे असहमत थे। उन्होंने कहा कि अगर

ऐसी बातचीत से कोई नतीजा निकलना है तो उसके लिए तैयारी की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता ऐसी बैठक होगी जिसका कोई नतीजा निकले, न कि सिर्फ इसलिए बैठक हो, क्योंकि नेता एक ही जगह पर हैं। रुबियो ने कहा कि ट्रंप के पद संभालने के बाद से दोनों राष्ट्रपतियों ने टेलीफोन पर भी बात की है। उन्होंने अनुमान लगाया कि उन्होंने कम से कम 12 बार बात की है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके पास सटीक गिनती नहीं है। रुबियो की ये बातें ऐसे समय में सामने आई, जब अमेरिकी अधिकारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने अनाज और ऊर्जा से जुड़े सीमित युद्धविराम में रुचि दिखाई है, हालांकि इस तक पहुंचना मुश्किल होगा। रुबियो ने कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ इस विचार पर चर्चा की थी। मॉस्को में स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की बैठक में भी इस पर बात हुई थी। अगर वॉशिंगटन कोई रचनात्मक भूमिका निभा सकता है तो वह ऐसी व्यवस्था लाने में मदद करने को तैयार होगा। रुबियो ने कहा कि सीमित युद्धविराम से युद्ध खत्म नहीं होगा, लेकिन इसके व्यापक प्रभावों को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह एक व्यापक समझौते के लिए शुरुआती बिंदु हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर कोई मानता है कि यह युद्ध बातचीत के जरिए हुए समझौते से ही खत्म होगा।' ऊर्जा पर हमले एक बड़ी बाधा हैं। रुबियो ने कहा कि यूक्रेन रूस की तेल और गैस सुविधाओं पर हमला कर रहा है, जिनसे मॉस्को को राजस्व मिलता है। उन्होंने कहा कि रूस सर्दियों के आने पर यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बना रहा है। इसलिए दोनों पक्ष ऊर्जा को अपने युद्ध के लक्ष्यों का हिस्सा मानते हैं। जी20 में अमेरिका, रूस, भारत और चीन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। इसके नेताओं की बैठकों में औपचारिक कार्यक्रम के अलावा बातचीत के मौके भी मिलते हैं।

रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया। इस युद्ध का असर एनर्जी और फूड मार्केट पर पड़ा है, जिससे इन सेक्टरों पर हमलों को सीमित करने की कोशिशें दोनों देशों से कहीं ज्यादा अहम हो गई हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)